दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 122 | ग्वालियर, बुधवार, 06 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

कोरोना रेड जोन मुंबई में ठेकों पर भारी भीड़ के बाद

शराब और गैर जरूरी दुकानें बंद करने का फैसला

मुंबई। मुंबई के रेड जोन वाले इलाकों में शराब की दुकानों पर भारी भीड़ और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की धज्जियां उड़ते हुए देखने के बाद लॉकडाउन के तीसरे चरण में राज्य सरकार की तरफ से एक दिन पहले जो छूट शराब समेत गैर जरूरी दुकानों खोलने की दी गई थी उसे बीएमसी ने मुंबई से मंगलवार को वापस ले लिया है। बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेशी ने को सर्कुलर जारी करते हुए कहा कि सिर्फ किराना और मेडिकल स्टोर्स को ही खुलने की इजाजत रहेगी।

इस आदेश में कहा गया कि ÷कई ऐसी रिपोर्ट सोशल मीडिया, पुलिस और वॉर्ड आफिशियल्स से मिली हैं जिनमें यह देखा गया कि लॉकडाउन में छूट के चलते दुकानों के नजदीक भारी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए, जिसकी वजह से सोशल डिस्टेंसिंग

का पालन करना असंभव हो गया। कुछ जगहों पर ऐसा देखा गया कि इतनी बड़ी तादाद में लोगों के इकट्ठा होने के चलते कानून व्यवस्था तक की नौबत पैदा हो गई थी।

सर्कुलर में आगे कहा गया कि मुंबई में कोरोना पॉजिटिव केस की संख्या बढ़ रही है और बिना सोशल डिस्टेंसिंग के भारी संख्या में लोगों की भीड़ होने से कोरोना वायरस को फैलने से रोकना मुश्किल होगा और भारी संख्या में लोगों के जमावड़े से लॉकडाउन का कोई फायदा नहीं होगा।पूरे शहर में शराब की दुकानों के बाहर लंबी लाइनों के चलते सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों को बनाए रखना मुश्किल ता। इससे पहले, 3 मई को महाराष्ट्र सरकार ने आदेश जारी करते हुए शराब समेत सभी गैर-आवश्यक दुकानों को सभी जोनों में खोलने का आदेश दिया था। इसमें कहा गया था कि रेड जोन में हर लाइन में लोगों की संख्या 5 तक सीमित रहेगी। कोरोना वायरस के लगातार आने मामले आने के बाद उसे रेड जोन में रखा गया है। मुंबई भी रेड जोन में है। बीएमसी के मुताबिक, मंगलवार को मुंबई में कोविड-19 संक्रमण के 653 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या 9,758 हुई। 26 रोगियों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 387 पहुंची।

नम आंखों से शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा को दी गई अंतिम विदाई

पत्नी-बेटी के छलकते रहे आंसू

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकियों से लोहा लेने के दौरान शहीद हुए सेना की 21 राइफल्स के कमांडिंग अफसर कर्नल आशुतोष शर्मा को आज राजकीय सम्मान के साथ जयपुर में नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। आज तड़के शहीद आशुतोष का पार्थिव शरीर जयपुर पहुंचा, जहां उन्हें तिरंगे में लपेट कर आखिरी विदाई और सलामी दी गई। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में रविवार को कर्नल आशुतोष के साथ आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन में चार अन्य जवान शहीद हो गए थे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, हंदवाडा मुठभेड़ में शहीद हुए कर्नल आशुतोष शर्मा को आज जयपुर में अंतिम विदाई दी गई। इस मौके पर उनकी पत्नी, बेटी और अन्य परिजन मौजूद थे। नम आंखों और राजकीय सम्मान के साथ कर्नल को अंतिम विदाई दी गई। शहीद आशुतोष को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अंतिम विदाई दी। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम विदाई के दौरान कर्नल की पत्नी लगातार रोती रहीं। बता दें कि शहीद आशुतोष का बुलंदशहर के रहने वाले हैं, मगर उनका परिवार काफी समय से जयपुर में रहता है।

कौन थे कर्नल आशुतोष

21 राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर रहे कर्नल आशुतोष अपने आतंक रोधी अभियानों में साहस और वीरता के लिए दो बार वीरता पुरस्कार से नवाजे जा चुके हैं। इतना ही नहीं, शहीद आशुतोष कर्नल रैंक के ऐसे पहले कमांडिंग अफसर थे, जिन्होंने पिछले पांच साल में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में अपनी जान गंवाई हो। इससे पहले साल 2015 के जनवरी में कश्मीर घाटी में आतंकियों से लोहा लेने के दौरान कर्नल एमएन राय शहीद हो गए थे। इसके अलावा, उसी साल नवंबर में कर्नल संतोष महादिक भी आतंकियों के खिलाफ अभियान में शहीद हो गए थे।

आतंकियों के लिए खौफ का दूसरा नाम थे आशुतोष

सेना के अधिकारियों के मुताबिक, कर्नल आशुतोष शर्मा काफी लंबे समय से गार्ड रेजिमेंट में रहकर घाटी में तैनात थे और वह आतंकवादियों के खिलाफ बहादुरी के लिए दो बार सेना मेडल से सम्मानित किए जा चुके हैं। आतंकियों को सबक सिखाने के लिए वह जाने जाते थे। अधिकारियों के मुताबिक, शहीद आशुतोष शर्मा को कमांडिंग ऑफिसर के तौर पर अपने कपड़ों में ग्रेनेड छिपाए हुए आतंकी से अपने जवानों की जिंदगी बचाने के लिए वीरता मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। दरअसल, जब एक आतंकी उनके जवानों की ओर अपने कपड़ों में ग्रेनेड लेकर बढ़ रहा था, तब शर्मा ने बहादुरी का परिचय दिया था और आतंकी को काफी नजदीक से गोली मारकर अपने जवानों की जान बचाई थी। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी शामिल थे।

जम्मू-कश्मीरः बडगाम में CRPF की टीम पर आतंकी हमला

एक जवान और 4 नागरिक घायल

श्रीनगर जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से आतंकी हमला हुआ है। बडगाम में सीआरपीएफ की 181वीं बटालियन की टुकड़ी पर आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला कर दिया, जिसमें एक जवान घायल हो गया है। इस ग्रेनेड अटैक में चार आम नागरिकों के भी घायल होने की खबर है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

इससे पहले जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सोमवार को आतंकवादियों की गोलीबारी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के तीन जवान शहीद हो गये थे, जबकि दो अन्य घायल हो गए। वहीं, इससे एक दिन पहले जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में पांच जवान शहीद हो गये थे । अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक किशोर भी मारा गया जो कथित रूप से मानसिक रूप से कमजोर था। अधिकारियों ने बताया कि उग्रवादियों ने एक नाका पार्टी पर क्रालगुंड इलाके में गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के तीन जवान मौके पर शहीद हो गये । अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ के जवानों ने जब जवाबी गोलीबारी की तो दोनों पक्षों के बीच एक संक्षिप्त मुठभेड़ हुई । उन्होंने बताया कि इस गोलीबारी में 15 साल का एक किशोर मोहम्मद हाजिम भट भी मौके पर मारा गया। उन्होंने बताया कि वह कथित रूप से मानसिक रूप से विकलांग था। अधिकारी ने बताया कि पूरे इलाके को घेर लिया गया है और हमलावरों की तलाश के लिये अतिरिक्त बलों को मौके पर भेज दिया गया है।

क्या आ गई खुशखबरी? इजरायल के रक्षा मंत्री का दावा

हमने बना ली कोरोना की वैक्सीन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। इस खतरनाक कोविड-19 से लाखों लोगों की मौत हो चुकी है, फिर भी इसका इलाज नहीं मिल पाया है। मगर इस बीच इजरायल के रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि उनके देश ने कोरोना वायरस की वैक्सीन बना ली है। रक्षा मंत्री नैफ्टली बेन्नेट ने अपने एक बयान में कहा कि इजरायल के डिफेंस बायोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ने कोविड-19 का टीका बना लिया है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने कोरोना वायरस को खत्म करने के टीके के विकास का चरण पूरा कर लिया है। यह जानकारी द जेरूसलम पोस्ट ने दी है।

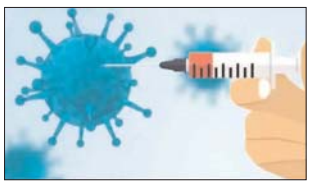

रिसर्च टीम द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर इजरायल के रक्षा मंत्री नैफ्टली ने बताया कि यह एंटीबॉडी कोरोना वायरस पर हमला करता है और इसे शरीर में खत्म कर देता है। उन्होंने कहा कि संस्थान अब एंटीबॉडी के लिए पेटेंट प्राप्त करने और इसके व्यापक पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयारी कर रहा है। इस मामले में अब इजराइल के डिफेंस बायोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के साथ रक्षा मंत्रालय समन्वय करेगा। रक्षा मंत्री नैफ्टली बेन्नेट ने सोमवार को कहा कि मुझे बायोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने एक बड़ी सफलता हासिल की है। बता दें कि इजरायल ने अब तक देश में 404,000 कोरोना सैंपल्स की जांच की है और उनमें से 16,246 संक्रमित पाए गए हैं। इस देश में कोरोना वायरस से अब तक 235 लोगों की मौत हो चुकी है। दरअसल, पिछले महीने बायोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ने बताया था कि उसने मूषक पर एंटीबॉडी-आधारित वैक्सीन प्रोटोटाइप का परीक्षण शुरू कर दिया है। संस्थान उन लोगों से प्लाज्मा भी इकट्ठा कर रहा है, जो कोरोना वायरस संक्रमण से उबर चुके हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि यह शोध में मदद कर सकता है। बता दें कि इजरायल द्वारा दावा किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर वैक्सीन ट्रेंड करने लगा।

कोरोना के आंकड़े में एक दिन की सबसे बड़ी उछाल

24 घंटे में 195 मौतें और 3900 नए केस, कुल मामले 46 हजार पार

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण लगातार पांव पसारते जा रहा है। कोरोना लॉकडाउन में छूट के एक दिन बाद ही कोरोना वायरस के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिली है। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 3900 नए मामले सामने आए हैं और सर्वाधिक 195 लोगों की मौत हुई है। मंगलवार को जारी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 46433 हो गए हैं और कोविड-19 से अब तक 1568 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के कुल 46433 केसों में

32134 एक्टिव केस हैं, वहीं 12727 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। कोरोना वायरस से अब तक सर्वाधिक 583 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई। यहां अब इस महामारी से पीड़ितों की संख्या 17589 हो गई है। तो चलिए जानते हैं टॉप 10 राज्य में क्या है कोरोना वायरस की स्थिति....

महाराष्ट्र- कोरोना वायरस का सबसे ज्यादा कहर महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के कुल 17589 पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। कोरोना के इन कुल केसों में से 14541 केस एक्टिव हैं और 2465 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें छुट्टी दे दी गई है। इस राज्य में अब तक सबसे अधिक 583 लोगों की जान जा चुकी है।

मध्य प्रदेशः मध्य प्रदेश भी कोरोना वायरस का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां कोरोना वायरस के मामलों की संख्या बढ़कर 3905 हो गई है, जिनमें से 165 लोगों की मौत भी हो चुकी है। इसके अलावा, 798 लोग ठीक हो चुके हैं।

गुजरात- महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा गुजरात प्रभावित दिख रहा है। गुजरात में कोरोना वायरस के अब तक 7318 मामले सामने आ चुके हैं। गुजरात में कोरोना से 319 लोगों की मौत हो चुकी है और 1195 लोग या तो स्वस्थ हो चुके हैं या फिर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

तमिलनाडु- तमिलनाडु में भी कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 4990 हो गई है। इनमें से से 3550 केस एक्टिव हैं। यहां इस महामारी से 31 की मौत भी हो चुकी है और 1409 पूरी तरह से ठीक भी हो चुके हैं।

आंध्र प्रदेश- आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस के अब तक 2210 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 524 लोगों का इलाज हो गया है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। यहां 36 की मौत भी हुई है।

बिहार- कोरोना वायरस के बिहार में अब तक 662 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, बिहार में कोरोना वायरस से 4 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं 130 लोग ठीक हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश-यूपी में कोरोना वायरस के 3618 केस आ चुके हैं। हालांकि, इनमें से 802 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं और 50 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजस्थान- यहां कोरोना वायरस के अब तक 4532 मामले सामने आ चुके हैं। 77 लोगों की मौत का मामला सामने आया है, वहीं 1394 लोग ठीक हो चुके हैं।

पश्चिम बंगाल- बंगाल में कोरोना वायरस के अब तक 1610 संक्रमित मामले सामने आए हैं, जिनमें से 133 की मौत हो चुकी है। इनमें से 218 लोग ठीक भी हो चुके हैं।

कोरोना पर अच्छी खबरः कोविड-19 के लिए

दवा बनाने के करीब पहुंचा भारत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से पूरी दुनिया जूझ रही है और अब तक इसका इलाज सामने नहीं आया है। इस बीच अच्छी खबर है कि भारत कोविड-19 की दवा बनाने के करीब पहुंच चुका है। हैदराबाद स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) ने रेमेडिसविर के लिए स्टार्टिंग मैटेरियल यानी प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (केएसएम) को सिन्थेसाइज्ड (संश्लेषित) किया है, जो कि सक्रिय दवा घटक विकसित करने की दिशा में पहला कदम है। आईआईसीटी ने सिप्ला जैसी दवा निर्माताओं के लिए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन

भी शुरू किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर भारत में इसका निर्माण शुरू हो सके। दरअसल, कोविड-19 के इलाज में अब तक रेमडेसिविर (रेमडेसिविर या रेमडेसिवियर) को कारगर बताया जा रहा है, जिसकी मंजूरी अमेरिका ने दे दी है। रेमडेसिविर का निर्माण गिलियड साइंसेज करती है। रेमडेसिवीर को क्लिनिकल डाटा के आधार पर अमेरिका में कोविड-19 के इलाज के लिए आपातकालीन अनुमति मिल चुकी है।

दवा पर गिलियड साइंसेज का पेटेंट

गिलियड साइंसेज का रेमडेसिवीर दवा पर पेटेंट है, मगर पेटेंट कानून इस दवा को केवल अनुसंधान उद्देश्यों (रिससर्च परपस) के लिए विकसित करने की अनुमति देता है न कि व्यावसायिक निर्माण के लिए। अमेरिका के क्लिनिकल ट्रायल के नतीजे बताते हैं कि रेमडेसिवीर को जब कोविड-19 मरीजों को दिया गया तो इससे वह औसतन 11 दिन में ठीक हो गए जबकि अन्य दवा से ठीक होने में 15 दिन का समय लगता है।

क्या हैं रेमेडिसवीर के तीन प्रमुख सामग्री

रेमेडिसविर के तीन प्रमुख प्रारंभिक सामग्री यानी केएमएस हैं- पायरोल, फुरोन और फॉस्फेट। आईआईसीटी के निदेशक डॉक्टर श्रीवरी चंद्रशेखर ने कहा कि केएसएम का संश्लेषण दवा बनाने में एक महत्वपूर्ण चरण है। बता दें कि भारत कोविड-19 के इलाज के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सॉलिडैरिटी ट्रायल का हिस्सा है और इसे टेस्टिंग के लिए दवा की 1000 खुराक प्राप्त हुई हैं।

लॉकडाउन के तीसरे चरण में ढील से राज्य सरकारों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली। लॉकडाउन के तीसरे चरण में केंद्र सरकार की ढील के साथ संक्रमण बढ़ने से राज्य सरकारों की चिंता बढ़ गई है। कुछ राज्यों ने तो अपने यहां किसी तरह की ढील न देने का फैसला किया है तो कुछ राज्य छूट को नियंत्रित तरीके से लागू कर रहे हैं। दरअसल, हाल में श्रमिकों की घर वापसी व छूट के दौरान लोगों के बाहर निकलने से संक्रमण फैलने का खतरा है, इससे राज्य सरकारें चिंतित हैं। सोमवार से लॉकडाउन 3.0 शुरू हुआ है जो 17 मई तक चलेगा। रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन के लिए अलग-अलग छूट और प्रतिबंध तय किए गए हैं। लेकिन जिस तरह से लगातार कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं उससे राज्यों की चिंता बरकरार है। पिछले तीन-चार दिनों का ट्रेंड देखा जाए तो हर रोज 2000 से ज्यादा मरीज सामने आ रहे हैं। यह अलग बात है कि टेस्टिंग की संख्या भी बढ़ी है, जिससे आंकड़ा बढ़ा है, लेकिन संक्रमण फैलने से हाथ पांव फूले हुए हैं।

कोरोना लॉकडाउनः दिल्ली के बाद अब आंध्र प्रदेश में भी शराब हुई महंगी

कुल 75 फीसदी तक बढ़ाए गए दाम

हैदराबाद। कोरोना वायरस संकट की वजह से पूरे देश में लॉकडाउन लागू है। लॉकडाउन ने देश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से ठप कर दिया है। ऐसे में अर्थव्यवस्था को खोलने और राजस्व के घाटे को कम करने की कोशिशों के क्रम में दिल्ली के बाद अब आंध्र प्रदेश सरकार ने भी शराब के दामों में बड़ा इजाफा किया है। दिल्ली में 75 फीसदी शराब महंगी करने के अरविंद केजरीवाल सरकार के फैसले के एक दिन बाद बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने भी शराब के दामों में आज 50 फीसदी की बढ़ोतरी की है। अब तक आंध्र प्रदेश सरकार ने 75 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

दरअसल, लॉकडाउन की तीसरे चरण में शराब की दुकानों को खोलने की इजाजत मिल गई है। रविवार को आंध्र प्रदेश सरकार ने शराब को 25 फीसदी महंगा किया था, मगर मंगलवार को शराब की कीमतों में 50 फीसदी का और इजाफा करने का फैसला किया है। इस तरह से अब राज्य में शराब एमआरपी से 75 फीसदी अधिक के दाम पर बिकेगी। माना जा रहा है कि सोशल डिस्टेंस का पालन करने और लोगों को शराब पीने से

हतोत्साहित करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (राजस्व) रजत भार्गव ने कहा कि शराब की दरों में असामान्य वृद्धि लोगों को शराब के सेवन से हतोत्साहित करने और स्वास्थ्य का ध्यान रखने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि शराब के दामों में वृद्धि तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। राज्य सरकार ने शराब की दुकानों को दोपहर 11 बजे के बजाय 12 बजे से खोलने का फैसला लिया है, जो शाम 7 बजे तक खुली रहेंगी। बता दें कि आंध्र प्रदेश में शराब के कारोबार पर पूरी तरह से राज्य सरकार का नियंत्रण है। बता दें कि सोमवार को दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने आज से शराब के दामों पर 75 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। दिल्ली में आज से शराब की कीमतें ज्यादा हो गई हैं, क्योंकि दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में शराब बिक्री पर 70 प्रतिशत विशेष कोरोना शुल्क लगा दिया है। केजरीवाल सरकार के इस कदम से राजस्व में निश्चित तौर पर इजाफा होगा, जो कि कोरोना वायरस की वजह से देश में लगे लॉकडाउन से काफी प्रभावित हुआ है, लेकिन इससे खुदरा शराब की बोतल की कीमत में अधिक बढ़ोतरी होगी। सोमवार देर रात जारी अधिसूचना में दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने कहा, रिटेल लाइसेंस के अंतर्गत बेचे जाने वाले सभी तरह के शराब के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर 70 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है। उदाहरण के लिए, अगर किसी शराब के बोतल की (एमआरपी) कीमत अभी तक 1000 रुपए है, तो अब दिल्ली में उसकी नई कीमत 1700 रुपए होगी।

हमीदिया रोड गुरुद्वारे में लंगर की सेवा में लगे सेवादार

अयोध्या बाईपास पर ब्राह्मण समाज ने बांटा खाना

रामानंद नगर में आरएसएस कार्यकर्ता खाना बांटते हुए

| मदिरा और भांग दुकानों के संचालन की आज से नई व्यवस्था |

भोपाल सहित प्रदेश के रेड जोन वाले जिलों में नहीं बिकेगी शराब

राज्य शासन ने प्रदेश में नोवल कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मदिरा एवं भांग दुकानों के संचालन की जोनवार वर्गीकृत जिलों में नई व्यवस्था 5 मई से लागू की है। नई व्यवस्था के मुताबिक प्रदेश में रेड जोन में आने वाले भोपाल, इंदौर एवं उज्जैन जिलों में मदिरा एवं भांग की समस्त दुकानें आगामी आदेश तक बंद रहेंगी। रेड जोन के अन्य जिलों जबलपुर, धार, बड़वानी, पूर्वी निमाड़ (खंडवा), देवास एवं ग्वालियर जिलों के मुख्यालय की शहरी क्षेत्रों की दुकानों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों की मदिरा एवं भांग की दुकानें संचालित की जाएंगी। ऑरेंज जोन के अंतर्गत आने वाले खरगौन, रायसेन, होशंगाबाद, रतलाम, आगर-मालवा, मंदसौर, सागर, शाजापुर, छिन्दवाड़ा, अलीराजपुर, टीकमगढ़, शहडोल, श्योपुर, डिण्डौरी, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, विदिशा, मुरैना एवं रीवा के कंटेनमेंट एरिया को छोड़कर शेष मदिरा एवं भांग दुकानें संचालित की जाएंगी। ग्रीन जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों की सभी मदिरा एवं भांग दुकानों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। सभी लायसेंसियों को निर्देशित किया गया है कि वे दुकानों पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा वाणिज्यिक कर विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी एसओपी और दो गज की दूरी का पालन भी सुनिश्चित करें।

ग्रीन जोन में दस्तावेजों का पंजीयन शुरू

राज्य शासन ने प्रदेश के सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक/जिला पंजीयक को ग्रीन जोन घोषित जिलों और तहसीलों में दस्तावेजों के पंजीयन का कार्य शुरू करने के निर्देश दिये हैं। वाणिज्यिक कर विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। जिलों में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप/कलेक्टर के आदेश द्वारा प्रति-दिन ग्रीन-जोन घोषित जिलों और तहसीलों की अद्यतन सूची प्राप्त की जाएगी। ग्रीन-जोन में स्थित कार्यालयों में कलेक्टर द्वारा निरीक्षण और पुष्टि के बाद दस्तावेजों के पंजीयन का काम 4 मई, 2020 से शुरू किया जाएगा। जैसे-जैसे जो जिले और पूरी तहसील ग्रीन जोन होती जाएगी, उन जिलों और तहसीलों में स्थित पंजीयन कार्यालयों में भी पंजीयन का कार्य शुरू किया जाएगा। दस्तावेज पंजीयन के दौरान सर्विस प्रोवाइडरों और निष्पादकों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति पर पूरी तरह रोक रहेगी। साथ ही, भारत सरकार द्वारा कोविड-19 संक्रमण को रोकने के लिये निर्धारित आदर्श परिचालन प्रक्रिया तथा राज्य शासन और जिला क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप द्वारा समय-समय पर निर्धारित शर्तों का पालन अनिवार्य रहेगा।

बंदिशों के साथ औद्योगिक गतिविधियों को मंजूरी

प्रदेश के कोविड-19 महामारी के तीसरे दौर में लॉकडाउन के अंतर्गत रेड, ऑरेंज तथा ग्रीन जोन वाले क्षेत्रों में कुछ बंदिशों के साथ औद्योगिक गतिविधियों को नई गाइड लाइन के तहत स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रमुख सचिव डॉ. राजेश राजोरा ने राज्य में वृहद, मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों तथा औद्योगिक एवं मैन्यूफैक्चरिंग आइटम्स के वेयरहाउस के लिए नए गाइडलाइन्स जारी की है। नए दिशा-निर्देशों में यह स्पष्ट किया गया है कि रेड एवं आरेंज जोन के जिलों के कंटेनमेंट जोन में किसी भी तरह कि औद्योगिक गतिविधि की अनुमति नहीं रहेगी। इन जिलों के ग्रामीण क्षेत्र में (कन्टेनमेंट क्षेत्र के बाहर) सभी औद्योगिक गतिविधियां संचालित होंगी। इनको शुरू करने के जिला कलेक्टर से अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। इसी प्रकार, रेड एवं आरेंज जोन के जिलों के नगरीय क्षेत्रों (कन्टेनमेंट जोने के बाहर) में उद्योग संचालित करने के लिए जिला आपदा प्रबंधन ग्रुप से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इसके अंतर्गत स्पेशल एकॉनामी जोन की सभी इकाईयाँ, निर्यात करने वाली औद्योगिक इकाईयां, राज्य सरकार द्वारा घोषित औद्योगिक क्षेत्र/ संस्थान में स्थापित इकाइयां, अत्यावश्यक वस्तुएं जिनमें फार्मास्यूटिकल, चिकित्सा उपकरण, हेल्थ केयर उत्पाद की निर्माण इकाईयों तथा इनके निर्माण के लिए मध्यवर्ती और कच्चे माल के निर्माण की इकाइयों और आईटी हार्डवेयर की इकाइयों एवं पैकेजिंग सामग्री की इकाईयों को शामिल किया गया है। ग्रीन जोन के जिलों में सभी प्रकार के उद्योग शुरू किए जा सकेंगे। इसके लिए जिला कलेक्टर अथवा डीसीएमजी की पूर्वानुमति की आवश्यकता नहीं होगी। इन क्षेत्रों में श्रमिकों, कर्मचारियों, कच्चे माल तथा तैयार उत्पाद के आवागमन के लिए भी किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

कन्टेनमेंट जोन के श्रमिकों कर्मचारी को नहीं मिलेगी अनुमति:

रेड, ऑरेंज तथा ग्रीन जोन के जिलों में क्रियाशील समस्त उद्योगों में कन्टेनमेंट जोन में रहने वाले श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों को कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। रेड एवं ऑरेंज जोन के जिलों में ग्रामीण अथवा नगरीय क्षेत्रों में संचालित उद्योगों के श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों के नान-कन्टेनमेंट क्षेत्रों के इकाईयों तक आवागमन के लिए परिवहन पास की आवश्यकता नहीं होगी, किन्तु ऐसे जिलों में नगरीय क्षेत्रों के नान-कन्टेनमेंट क्षेत्रों से इकाईयों तक के आवागमन के लिए जिला प्रशासन से परिवहन पास प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। जिला आपदा प्रबंधन जिले की परिस्थिति विशेष को देखते हुए किस उद्योग को जिले/शहर के किस क्षेत्र में उनकी मेनपॉवर के आवागमन की अनुमति दी जाय, इसका निर्णय लेगा।

इन्ट्रास्टेट/इन्टर स्टेट बसों का संचालन नहीं होगा

ऐसे उद्योग, जो सभी कार्यरत श्रमिकों को अपने परिसर में रहने की व्यवस्था करते है, को जिला आपदा प्रबंधन से अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। रेड जोन के कन्टेनमेंट क्षेत्र के बाहर के क्षेत्रों में भी इन्ट्रास्टेट तथा इन्टरसिटी बसों का संचालन नहीं किया जा सकेगा। अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों तथा पीथमपुर, मण्डीदीप, मालनपुर/ बागौर औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के समीपस्थ संबंधित जिलो के जिला आपदा प्रबंधन से समन्वय कर प्रदान की जाएगी। गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों को प्रातः 7 बजे से शाम 7 बजे तक मानक आपरेटिंग प्रक्रिया का पालन करते हुए आवागमन की अनुमति दी जा सकेगी। नवीन दिशा-निर्देश में यह स्पष्ट किया गया है कि कोविड-19 मरीज से सम्पर्क में आया व्यक्ति, इन्फलूएन्सा अथवा गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम की श्रेणी का कोई श्रमिक किसी उद्योग में कार्य करने नहीं जायेगा। रेड, ऑरेंज तथा ग्रीन जोन में संचालित सभी उद्योगों में कोरोना की रोकथाम के सभी मानकों का कड़ाई से पालन करना होगा। औद्योगिक इकाईयो के कच्चा माल अथवा तैयार उत्पाद के ट्रक के आवागमन पर कन्टेनमेंट क्षेत्रों के अतिरिक्त कोई प्रतिबंध नहीं होगा। जो उद्योग व्यापक जनहित में चलाए जाने आवश्यक है और उन्हें किसी शर्त से छूट की आवश्यकता है, तो ऐसी छूट राज्य शासन द्वारा दी जा सकेगी।

45 दिन शराब न पीकर जनता ने बता दिया कि वो बिना शराब के जिंदा रह सकते हैं

लेकिन ठेके खोल कर सरकार ने बता दिया कि शराब के बिना सरकार मर जाएगी, सरकार से निवेदन यदि शराब जरूरी है तो आधार कार्ड भी जरूरी है

केशव शर्मा ब्यूरो

आज सम्पूर्ण विश्व में कोरोना वायरस संक्रमित महामारी अपनी मृत्यु रूपी पैर विश्व के साथ साथ भारत में भी शनैः-शनैः- अग्रसर हो रहा है। भारत में कोरोना को तीन स्तरों में वर्गीकृत किया गया है रेड जोन, ऑरेंज जोन, एवम ग्रीन जोन। यह ठीक भी है। पहचान हेतु। रेड जोन, ऑरेंज जोन में सुरक्षा की दृष्टि से लॉकडाउन का पालन करना जायज है। ग्रीन जोन में कुछ हद तक लाक डाउन कि ढील देना जरूरी है भी। आज सम्पूर्ण भारत की अर्थव्यवस्था चरमराई हुई है। मैं आपको बता दूं कि भारत एक कृषि प्रधान देश है यहाँ पर 70 प्रतिशत जनसंख्या गावों में निवास करती है। भारत को सबसे ज्यादा राष्ट्रीय आय कृषि से प्राप्त होती है। दूसरे नम्बर पर रेलवे के द्वारा फिर अन्य से। इन दोनों आयों से मानव का फायदा ही होता है। फिर ऐसा क्या हो गया कि यह मदिरा रूपी जहर जो सर्वे में भी लोग बन्द करने के पछधर है तो फिर मध्यप्रदेश सरकार एक स्पष्ट निर्णय शराब बंदी की ओर कूयों नहीं ले पा रही है। जबकि गुजरात , बिहार ने इसे कब से बन्द करके रखा हुआ है। ऐसी आय किस काम की जिससे समाज , परिवार , परिवार की आर्थिक हानि हो अपराध की प्रवर्ति में मुनाफ़ा हो।क्या सरकार इन शराब ठेकेदारों के दवाब में है। *केशब पडित जी पुष्पॉजली ब्यूरो मुरैना* की कलम कहती है कि एक तरफ आप कहते हो सोशल डिस्टेंस का पालन करो , लॉकडाउन का पालन करो , होटल नहीं खुलेगा,पान चाय नही खुलेगी,तो फिर जहर रूपी यह शराब की दुकान किस औचित्य से खोली जा रही हैं। क्या इन शराबियों के शराब पीने से कोरोना को आमंत्रण नही देंगे।जब यह शराबी शराब का सेवन मिल जुलकर अप्रत्यक्ष रूप से उपभोग करेंगे तो संक्रमण होने का खतरा नहीं होगा। क्या इससे अर्थ रूपी मार गरीब , मध्यम परिवार नहीं झेलेगा। एक तरफ अनाज सभी निःशुल्क दूसरी तरफ यह शराब की मार। मेरे को एक कहावत याद आ रही है अपना काम बनता भाड़ में जाय यह जनता।

मनरेगा में मिला सवा 11 लाख से अधिक श्रमिकों को काम

कोविड-19 के आकस्मिक हमले से प्रदेश के उस तबके के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया था, जो रोज कमाता और खाता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 23 मार्च 2020 को नई सरकार के गठन के साथ ही सरकार ने कोरोना से मुक्ति और जरूरतमंद हाथों को काम देने के प्रयास तेजी से प्रारंभ किए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम (मप्र) रोजगार संकट के इस दौर में वरदान सिद्ध हुई है। प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 20 अप्रैल से कोरोना संक्रमित क्षेत्रों को छोड़कर शेष ग्राम पंचायतों में मनरेगा की रोजगार मूलक गतिविधियाँ की गई, जिनमें अब 22 हजार 70 ग्राम पंचायतों में एक लाख 25 हजार 61 कार्य शुरू हो गए हैं। इनमें 11 लाख 25 हजार 893 श्रमिकों को प्रतिदिन रोजगार मिलने लगा है और यह क्रम लगातार जारी है।

प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में होम मेड मास्क निर्माण की प्रक्रिया से महिलाओं को घर बैठे रोजगार प्राप्त हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराने में मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को होम-मेड मास्क, सेनेटाइजर, पीपीटी किट, हैंड सोप बनाने जैसी गतिविधियों से जोड़ने का अभिनव प्रयोग मध्यप्रदेश में किया गया। प्रदेश में लगभग 5 हजार स्व-सहायता समूहों के 13 हजार महिला सदस्यों द्वारा 7 लाख से अधिक मास्क, 58 हजार लीटर से अधिक सेनेटाइजर, 9 हजार लीटर हैंड वॉश और लगभग डेढ लाख साबून का उत्पादन किया गया है। इसी प्रकार, शहरी क्षेत्रों में 'जीवन-शक्ति'' योजना के माध्यम से शहरी महिलाओं को भी मास्क निर्माण के कार्य से जोड़ा गया है।

योजना के अंतर्गत 10 हजार से अधिक महिलाओं ने ऑनलाइन पंजीयन कर उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया है। इन उत्पादों को राज्य सरकार द्वारा मार्केट में उपलब्ध कराया गया है। कोरोना के खिलाफ जंग में लगे पुलिस के जवानों, मेडिकल स्टाफ सहित मनरेगा के श्रमिकों को इन समूहों द्वारा उत्पादित सामग्री प्रदान की जा रही है, इतना ही नहीं, प्रदेश में 15 अप्रैल से शुरू हुए गेहूँ उपार्जन कार्य में नया प्रयोग करते हुए 5 जिलों में महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है। जिससे उन्हें रोजगार के नए अवसर मिल सके हैं। राज्य में शुरू किए इन संगठित प्रयासों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में आमजन को होम डिलीवरी से जरूरी सामान की आपूर्ति जैसी सुविधाओं से भी जरूरतमन्दों को काम मिल सका है। पिछले 15 अप्रैल से प्रदेश में प्रारंभ किया गया गेहूँ का उपार्जन भी रोजगार का बड़ा जरिया बना है। इसमें डेढ़ से दो लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार गतिविधियों से जोड़ा जा सका है।

10वीं और 12वीं की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य हुआ पूरा

लॉकडाउन के चलते भले ही बोर्ड परीक्षाओं के स्थगित पेपर पर फिलहाल ब्रेक लगा है, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का काम लगभग पूरा हो चुका है। एमपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं की कॉपियों वैल्यूएशन 10 दिन के भीतर पूरे किए जाने का समय दिया गया था। समय सीमा के भीतर कार्य पूरा कर कॉपियां मॉडल स्कूल स्थित मूल्यांकन केंद्र में आज से पहुचेंगी। मूल्यांकन केंद्र में नोडल अधिकारियों के सामने कॉपियों पर नम्बर दिए जाएंगे। लॉकडाउन के चलते उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन घर से ही करने के आदेश दिए गए थे। बोर्ड ने अपनी जारी गाइडलाइन में यह भी कहा था कि शिक्षक घर से ही कॉपियां चेक करेंगे, लेकिन नंबर नोडल अधिकारी के सामने मूल्यांकन केंद्र पर ही भरेंगे। कॉपियों के वैल्यूएशन का काम पूरा होने के बाद टीटी नगर स्थित मॉडल स्कूल मूल्यांकन केंद्र में डिप्टी वैल्यूअर और वैल्यूअर के सामने टीचर कॉपियों पर स्टीकर निकालकर अंको की एंट्री करेंगे. कॉपियों में नंबर देने के बाद ओएमआर शीट भरकर कॉपियां बोर्ड ऑफिस भेजी जाएंगी। ओएमआर शीट बोर्ड ऑफिस भेजने से पहले डिप्टी वैल्यूअर कम नंबर आने वाले छात्रों और 90 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वाले छात्रों की कापियां बारीकी से दोबारा चैक करेंगे। फिर से अंको की रिटोटलिंग के बाद रोल नंबर के अनुसार ओएमआर सीट भरकर बोर्ड ऑफिस भेजी जाएगी जिसके बाद बोर्ड रिजल्ट तैयार करेगा।

कॉपियों का हुआ मूल्यांकन

एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 02 और 03 मार्च से शुरू हुई थी। 19 मार्च तक पेपर हो सके थे। कोरोना वायरस के चलते 21 मार्च से होने वाले सारे पेपर अब तक स्थगित है। मूल्यांकन कार्य में देरी होने के चलते घरों से ही मूल्यांकन कार्य शुरू कराने का फैसला एमपी बोर्ड ने लिया था। 10 दिनों के भीतर 10वीं और 12वीं के 19 मार्च से पहले होने वाले पेपर की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। अब 19 मार्च को हुए पेपर की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य शुरू होगा। एमपी बोर्ड की कॉपियों के मूल्यांकन का काम 23 अप्रैल से शुरू हुआ था। एक-एक शिक्षक को वैल्यूएशन के लिए 450 कॉपियों का बंडल दिया गया था और 10 दिन के भीतर कॉपियों का मूल्यांकन कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए गए थे। 30साल बाद पहला मौका है जब शिक्षक बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियां घर से चेक कर रहे है। अब तक 10वीं और 12वीं कॉपियां हर जिले में कड़ी सुरक्षा के बीच मूल्यांकन केंद्र में ही चैक होती थीं।

सेवा सहकारी संस्था जमदारा का जिलाधीश ने किया औचक निरीक्षण

मोहन मांझी

गोहद सेवा सहकारी संस्था जमदारा मौ में ई उपार्जन पर फर्जी पंजीयन कर फसल की खरीद की जाने की शिकायत जिलाधीश भिण्ड को शिकायतकर्ता पापन यादव द्वारा की गई। जिस पर जिलाधीश भिण्ड ने केंद्र का औचक निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार सेवा सहकारी संस्था जमदारा के सेल्समेन नेतराम सिंह यादव व ऑपरेटर पवन अग्रवाल द्वारा फर्जी तरीके से स्वयं का अपने भाई बहन परिवारजनों के नाम से फर्जी पंजीयन कराये गए है जबकि इनके पास वर्तमान में केवल 30 बीघा जमीन है। जबकि 400, 500 बीघा का फर्जी पंजीयन कराया गया है जबकि जमीन दूसरे किसानों की लगाई गई जबकि खाता धारकों को इस बात की जानकारी भी नही है। रजिस्ट्रेशन कराये गये कुछ किसानों की मृत्यु भी हो चुकी है। इनके बैंक खातों पर रोक लगाई जावे व वरिष्ठ अधिकारियों से जांच कराई जाए व दोषियों पर कार्यवाही की जावे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सेल्समेन द्वारा 30 अप्रैल से 5 मई तक शासन स्तर पर किसानों को जो एसएमएस भेजे गए है उन एसएमएस प्राप्त किसानों की सरसो न तोलते हुए फर्जी सरसो तोलते पकड़ा है जिसमे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पँचायत व नायब तहसीलदार मौ को मौके का पंचनामा बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। वही उचित मूल्य की रतवा पर सेल्समेन की फ़र्जी नियुक्ति की गई है जो सेल्समेन नेतराम यादव द्वारा अपने भाई छोटेसिंह की नियुक्ति की गई है जो कि अनपढ़ है रतवा में अभी तक खाद्यान बाटा नही गया है।

इनका कहना है-जिलाधीश ने जमदारा उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। उसमे कुछ अनियमितता मिली है कुछ किसानों को एसएमएस प्राप्त नही हुआ उनकी तोल हो गयी उनकी जांच के लिए मुझे व नायब तहसीलदार मौ को नियुक्त किया है किसकी जांच कर रिपोर्ट देना है

नवल किशोर पाठक
सीईओ जनपद पंचायत गोहद

अब नए दौर में मध्यप्रदेश के किसान

भोपाल। कोरोना महामारी के संकटकाल ने मध्यप्रदेश में किसानों को एक ऐसी सौगात दे दी है, सामान्य दिनों में जिसका वे लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। कोरोना संकट के दौर में किसानों को आर्थिक परेशानियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एक ही झटके में मंडी अधिनियम में संशोधन करके किसानों को एक तरह से ग्लोबल मार्केटिंग से जोड़ने का करिश्मा कर दिखाया। आढ़त का काम कर रहे व्यापारियों को अगर लायसेंस राज से मुक्ति मिली है तो किसानों के लिए भी यह एक तरह से आर्थिक रूप से अपने को मजबूत बनाने का मौका कहा जा सकता है। कोरोना के इस संकट काल में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। देश में भी खेती और किसान आर्थिक विमर्श के केन्द्र में हैं। केन्द्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने कृषि जिंसों की मार्केटिंग के लिए राज्य सरकारों को एक माडल एक्ट सौंप रखा है। इसके पीछे सरकार की मंशा है कि पूरे देश में कृषि जिंसों के लिए बाजार की एक जैसी व्यवस्था हो जाए ताकि किसानों को अपना उत्पादन बेचने के बेहतर विकल्प मिल सकें। राज्य की पिछली सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल रखा था। श्री चौहान को जब चौथी बार सरकार चलाने का मौका मिला है तो आपदा के इस दौर में उन्होंने किसानों के हित में मंडी एक्ट में संशोधन के साथ एक बड़ा किसान हितेषी कदम उठा लिया। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने किसानों के हित में मण्डी एक्ट में संशोधन किया है।

इस संशोधन का सीधा फायदा किसान को होगा। अब उसे अपने उत्पादन का ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सकता है। इसके लिए उसे अब मंडियों के चक्कर काटने की जरूरत भी नहीं होगी। मंडियों में किसानों को लंबे इंतजार के साथ अपनी उपज की गुणवत्ता को लेकर कई परेशानियों से दो-चार होना पड़ता था। मंडी अधिनियम में संशोधन के बाद अब किसान घर बैठ कर भी अपनी फसल निजी व्यापारियों को बेच सकेगा। जाहिर है कोरोना महामारी के इस दौर में सुरक्षा के जो मापदंड अपनाए जा रहे हैं, उसमें किसान की परेशानी कई गुना बढ़ना तय था। सरकार ने इस अधिनियम में संशोधन से पहले भी किसानों के हित में कुछ कदम उठाए थे लेकिन अब मंडी अधिनियम में जरूरी बदलावों के बाद किसान के लिए अपनी फसल बेचना पहले से ज्यादा आसान और फायदे का सौदा साबित होगा। मंडी में जाकर समर्थन मूल्य पर उपज बेचने का विकल्प किसान के पास जस का तस रहेगा। नई वैकल्पिक व्यवस्था बन जाने के बाद कृषि जिंसों के व्यापार में एक नई प्रतिस्पर्धा खड़ी होगी, जिसका फायदा किसानों को मिलेगा।

40 दिन बाद चली ट्रेन, सुबह छह बजे से शुरू हो गई थी जाने वालों की स्क्रीनिंग

घर वापसी: अजमेर से 1186 जयरीनों को लेकर प. बंगाल रवाना हुई ट्रेन, जिला कलेक्टर व एसपी ने तालियां बजाकर किया विदा

अजमेर ■ एजेंसी

लॉकडाउन के कारण अजमेर में फंसे प. बंगाल के 1186 जयरीनों को लेकर विशेष ट्रेन सोमवार को सुबह 11.20 बजे रवाना हुई। जिला कलेक्टर कलेक्टर विश्व मोहन शर्मा और पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप ने रेलवे स्टेशन पर तालियां बजाकर जयरीनों को रवाना किया। कुल 1188 जयरीनों ने रजिस्ट्रेशन कराया था जिसमें से 1186 रवाना हुए। लॉकडाउन के 40 दिन बाद अजमेर रेलवे स्टेशन से ट्रेन का संचालन हुआ। जिला प्रशासन ने इस संबंध में अधिकारियों को अलग-अलग कार्य सौंपे थे। सुबह 6 बजे से देहली गेट पर जिन जायरीन का रजिस्ट्रेशन हो चुका था, उनकी स्क्रीनिंग करने की शुरूआत की गई। दरगाह बाजार में चार टीमें और रेलवे स्टेशन पर एक मेडिकल टीम मौजूद रही। इसके बाद इन्हें बसों के जरिए रेलवे स्टेशन तक ले जाया गया। बसों में जायरीन को बिठाने के लिए 10 अध्यापकों की टीम तैनात थी। रेलवे स्टेशन पर जायरीन को मास्क, सैनिटाइजर, पानी की बोतल एवं भोजन के पैकेट दिए गए। रेलवे स्टेशन पर ही टिकट वितरण एवं ट्रेनों में बैठाने के लिए 22 अध्यापकों की टीम काम में जुटी रही। इस कार्य के लिए नगर निगम आयुक्त चिन्मयी गोपाल एवं एडीए आयुक्त गौरव अग्रवाल सहित 12 अफसरों को विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने शनिवार को भी जायरीन को अजमेर से पश्चिम बंगाल भेजने के लिए आदेश जारी किए थे, मगर प. बंगाल सरकार और रेलवे की ओर से ट्रेन की अनुमति नहीं मिलने के कारण ट्रेन नहीं जा पाई थी।

बिहार के मजदूरों को जयपुर से भिजवाया

जिले के विभिन्न शेल्टर होम में रह रहे बिहार के मजदूरों को जिला प्रशासन सोमवार को बसों के जरिए जयपुर भेजा, यहां से उन्हें जयपुर-पटना ट्रेन के जरिए बिहार रवाना किया। इसके लिए नरबदखेड़ा से जयपुर, ब्यावर से जयपुर, खरवा से जयपुर, केकड़ी से जयपुर आदि जगहों पर बसों के जरिए मजदूरों का भेजा। इसके लिए कलेक्टर विश्व मोहन शर्मा ने बीडीओ श्रीनगर शिवदान सिंह तथा बीडीओ किशनगढ़ रामावतार यादव सहित पटवारियों की ड्यूटी लगाई है। पटवारियों को मजदूरों के साथ बसों के संग जयपुर जाने एवं मजदूरों का ट्रेनों में बिठाने के निर्देश दिए।

कोटा में 3 साल की संक्रमित बेटी की देखभाल के लिए कोरोना वार्ड में रह रही मां

जयपुर। तीन साल की संक्रमित बेटी की देखभाल के लिए मां वार्ड में रह रही। कोटा की एक मां जो खुद तो संक्रमित नहीं है, लेकिन 3 साल की बेटी की देखभाल के लिए कोरोना मरीजों के वार्ड में रह रही है। डॉक्टरों ने उसे खतरे से आगाह किया, लेकिन उसने साफ कह दिया- मैं बच्ची अकेली नहीं छोड़ सकती। इसके बाद मां से लिखित में अंडरटेकिंग लिया गया। परिवार में बच्ची के दादा सबसे पहले संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद पूरे परिवार का सैम्पल लिया गया, जिसमें सिर्फ बच्ची की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आईसीएमआर ने सवाई माधो सिंह हॉस्पिटल (एसएमएस) को प्लाज्मा थैरेपी से

उपचार की इजाजत दे दी है। कोरोना के अलावा बाकी मरीजों के लिए सोमवार से वेब पोर्टल से टेलीकन्सल्टेन्सी सेवा शुरू होगी। पहले फेज में 30 डॉक्टर मरीजों को परामर्श देंगे। इसके लिए मोबाइल ऐप भी तैयार हो रहा है। सीएम ने कहा कि हमने रोज 25 हजार कोरोना जांचों का लक्ष्य रखा है, इसके लिए अमेरिका की कंपनी से 2 मशीनें मंगवाई हैं।

जयपुर: 35 थाना क्षेत्रों की 83 कॉलोनियों कोई राहत नहीं

लॉकडाउन फेज-3 के पहले दिन राजस्थान में बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए। यहां सोमवार को 130 लोग संक्रमित मिले। इनमें जोधपुर में सबसे ज्यादा 76 नए पॉजिटिव मिले। चित्तौड़गढ़ में 19, जयपुर में 15, पाली में 11, कोटा में 3, राजसमंद में 2, बीकानेर, धौलपुर, अलवर और उदयपुर में 1-1 संक्रमित मिला। प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या 3016 पहुंच गई। जयपुर में 4 और जोधपुर में 2 की मौत भी हुई। इसके साथ कुल मृतकों की संख्या 77 पहुंच गई। जयपुर जिला रेड जोन है, इसलिए यहां सीमित छूट ही मिलेंगी। 35 थाना क्षेत्रों की 83 कॉलोनियों में कर्फ्यू होने के कारण यहां किसी भी प्रकार की छूट नहीं मिलेगी, यानी सभी प्रतिबंध पहले की ही तरह रहेंगे। बाकी शहर में सभी सरकारी दफ्तर खुलेंगे, लेकिन स्टाफ एक तिहाई ही आएंगे। जरूरी काम के लिए बाहर जाने के लिए भी अब पास की जरूरत नहीं होगी। कर्फ्यू क्षेत्र में प्राइवेट डॉक्टर अपने क्लीनिक सिर्फ ओपीडी के लिए जिला प्रशासन की अनुमति लेकर ही खोल सकेंगे। पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी पूरी तरह बंद रहेगा। लॉकडाउन के तीसरे फेज में राजस्थान के ग्रीन जोन वाले 7 जिलों में रोडवेज बसें चलनी शुरू हो जाएंगी। रेड, ग्रीन और ऑरेंज तीनों ही जोन में शराब की दुकानें खुल सकेंगी। निजी और सरकारी ऑफिस भी खोले जा सकेंगे। हालांकि, कंटेनमेंट एरिया में यह सब पहले की ही तरह बंद रहेगा।

महाराष्ट्र: अब तक 548 की मौत, मुंबई-पुणे में प्राइवेट ऑफिस और उद्योग बंद रहेंगे, सरकारी दफ्तरों में 33 प्रतिशत कर्मचारी ही आएंगे

- पुणे-मुंबई को छोड़ पूरे महाराष्ट्र में खुलेंगी शराब की दुकानें, औरंगाबाद सांसद ने इसका विरोध किया
- जिन इमारतों, गलियों या मोहल्लों में संक्रमित मिले, उन्हें सील कर दिया गया है

मुंबई। लॉकडाउन फेज तीन में राज्य सरकार ने मुंबई और पुणे को छोड़कर पूरे महाराष्ट्र में शराब की दुकानें खोलने का निर्णय लिया है। पुणे और मुंबई में प्राइवेट ऑफिस और उद्योग भी पूरी तरह बंद रहेंगे। सरकारी दफ्तरों में सिर्फ 33 फीसदी कर्मचारी काम करेंगे। जिन इमारतों, गलियों या मोहल्लों में संक्रमित हैं, उन्हें सील कर दिया गया है। इन्हें कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। राज्य के अन्य जिलों में कहां और क्या छूट मिलेगी, ये वहां के कलेक्टर तय करेंगे। औरंगाबाद से एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज जलील ने शराब की दुकानें खोलने का विरोध किया है। उन्होंने कहा, औरंगाबाद में अगर शराब की दुकानें खोली गई तो हम इन दुकानों को बंद कर देंगे। यह शराब बेचने और समस्याएं पैदा करने का समय नहीं है। राज्य के 14 जिले रेड जोन में हैं। इसमें शामिल एमएमआर (मुंबई) रीजन, पीएमआर (पुणे) रीजन, पिंपरी चिंचवड़ और मालेगांव महानगरपालिका क्षेत्र में उद्योग शुरू नहीं हो सकेंगे। प्राईवेट ऑफिस पूरी तरह बंद रहेंगे। सरकारी दफ्तरों में 33 प्रतिशत कर्मचारी काम करेंगे। ग्रीन और ऑरेंज जोन में आने वाले निजी दफ्तरों को 100 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने की इजाजत दी गई है।

अब तक 548 लोगों की मौत

रविवार को संक्रमण के 678 नए मामले आए।। कुल आंकड़ा 12 हजार 974 हो गया। 24 घंटे में 27 और लोगों की मौत हुई है। कुल संख्या 548 हो गई। 2,115 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

छग: शराब दुकानों में ज्यादातर जगहों पर फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं, बढ़े हुए दामों पर बिक्री

रायपुर। प्रदेश में शराब की दुकानें खोल दी गईं। रायपुर में शहर के अंदर की दुकानों को नहीं खोला गया। आउटर की दुकानों का ही संचालन किया जा रहा है। टाटीबंध, गोंदवारा जैसे इलाकों में स्थित शराब दुकानों में लोग खरीदी करने पहुंचे। यहां भीड़ काबू से बाहर दिखी। शराब की बोलतों पर प्रिंट एमआरपी से 50 से 100 रुपए तक अधिक दुकानदार ले रहे हैं। देशी शराब में 20 से 30 रुपए अधिक लिए गए। दुकान संचालक ग्राहकों से दाम बढ़ने का दावा कर रहे हैं। तेज धूप भी शराब पसंद करने वालों के हौसले नहीं डिगा सकी। छाता लेकर भी कुछ लोग पहुंचे और देर तक अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मोवा स्थित दुकान के बाहर 200 मीटर लंबी लाइन लगी दिखी।

पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करते और लोगों के हाथ सैनिटाइज करते दिखे। जानिए प्रदेश के अन्य जिलों की दुकान का हाल। शहर के डोंगरगांव और रेवाडीह बाइपास रोड इलाके की दुकानों में जबरदस्त भीड़ दिखी। लोग सुबह से ही यहां पहुंचे हुए थे। पुलिस ने दुकान के बाहर बैरीकेडिंग की व्यवस्था को परखने के बाद बिक्री की अनुमति की। मगर, सुबह से उमड़ी भीड़ दोपहर तक बढ़ती ही रही। आमतौर पर एक बोतल देशी दारू लेने वाले अपने साथ 4 से 5 बोतल लेकर जाते दिखे। शराब लेने आए लोगों से मास्क पहनने या चेहरा ढंकने को कहा जा रहा है।

तस्वीर रायपुर के मोवा स्थित शराब दुकान की है, हाथ सैनिटाइज तो हो रहे हैं, मगर उस चीज के लिए जो पहले ही सेहत के लिए हानिकारक है।

दुकान के काउंटर तक जाने से पहले लोगों के हाथों को सैनिटाइज किया जा रहा है। रायपुर की मोवा स्थित शराब दुकान में पुलिस के जवान यह करते दिखे। कवर्धा में सुरक्षा गार्ड ने लोगों को सैनिटाइजर दिया। कुछ जगहों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन होता दिखा। कई जगहों पर लोग शराब दुकान संचालक से दाम ज्यादा वसूले जाने पर बहस करते दिखे। मगर कैश काउंटर पर बैठे युवकों ने रेट बढ़ने का हवाला दे दिया।

मास्क नहीं लगाने का विरोध करना पड़ा भारी

आवाज उठाने वाले शख्स के दोनों भाइयों पर तलवार, चाकू से हमला

- फिलहाल दोनों का इलाज राजवाड़ी हॉस्पिटल में जारी है
- आरोपियों की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई है

मुंबई ■ एजेंसी

शहर के तिलक नगर इलाके में मास्क न पहनने का विरोध करने पर एक शख्स के दो भाइयों पर चाकू और तलवार से जानलेवा हमला हुआ है। फिलहाल दोनों का इलाज राजवाड़ी हॉस्पिटल में जारी है। इस बीच आरोपियों की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई है। सभी आरोपी अभी फरार हैं।

रोकटोक करने वाले शख्स के भाइयों पर किया हमला

इस घटना के बाद रविवार शाम करीब 8 बजे कुछ लोग हाथों में तलवार और चाकू लेकर नवनीत राणा के घर पहुंच गए। हालांकि, घर पर नवनीत नहीं था, लेकिन इन लोगों ने नवनीत के दो भाइयों पर हमला कर दिया है। इस हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें राजावाड़ी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, रविवार की सुबह कुछ लोग बिना मास्क लगाए और बिना सोशल डिस्टेंनसिंग के सब्जी खरीद रहे थे। इस पर नवनीत राणा नाम के शख्स ने आपत्ति जताई। इससे नाराज कुछ लोगों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी।

मजदूरों के रेल टिकट का खर्च उठाएगी कांग्रेस, सोनिया गांधी ने कहा, देश ने दिल को दहला देने वाला मंजर देखा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने फैसला किया है कि प्रत्येक राज्य की कांग्रेस कमेटी प्रत्येक जरूरतमंद श्रमिक और प्रवासी मजदूर की रेल यात्रा के लिए लागत वहन करेगी और इस संबंध में आवश्यक कदम उठाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि श्रमिक व कामगार देश की रीढ़ की हड्डी हैं। उनकी मेहनत और कुर्बानी राष्ट्र निर्माण की नींव है। सिर्फ 4 घंटे के नोटिस पर लॉकडाऊन करने के कारण लाखों श्रमिक व कामगार घर वापस लौटने से वंचित हो गए। उन्होंने कहा कि 1947 के बंटवारे के बाद देश ने पहली बार यह दिल दहलाने वाला मंजर देखा कि हजारों श्रमिक व कामगार सैकड़ों किलोमीटर पैदल चल घर वापसी के लिए मजबूर हो गए।

न राशन, न पैसा, न दवाई, न साधन, पर केवल अपने परिवार के पास वापस गांव पहुंचने की लगन। उनकी व्यथा सोचकर ही हर मन कांपा और फिर उनके दृढ़ निश्चय और संकल्प को हर भारतीय ने सराहा भी। उन्होंने कहा कि देश और सरकार का कर्तव्य क्या है? आज भी लाखों श्रमिक व कामगार पूरे देश के अलग अलग कोनों से घर वापस जाना चाहते हैं, पर न साधन है, और न पैसा। दुख की बात यह है कि भारत सरकार व रेल मंत्रालय इन मेहनतकशों से

मुश्किल की इस घड़ी में रेल यात्रा का किराया वसूल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'श्रमिक व कामगार राष्ट्रनिर्माण के दूत हैं। जब हम विदेशों में फंसे भारतीयों को अपना कर्तव्य समझकर हवाई जहाजों से निशुल्क वापस लेकर आ सकते हैं, जब हम गुजरात के केवल एक कार्यक्रम में सरकारी खजाने से 100 करोड़ रुपये ट्रांसपोर्ट व भोजन इत्यादि पर खर्च कर सकते हैं, जब रेल मंत्रालय प्रधानमंत्री के कोरोना फंड में 151 करोड़ रु. दे सकता है, तो फिर तरक्की के इन ध्वजवाहकों को आपदा की इस घड़ी में निशुल्क रेल यात्रा की सुविधा क्यों नहीं दे सकते? सोनिया गांधी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मेहनतकश श्रमिकों व कामगारों की इस निशुल्क रेलयात्रा की मांग

उद्धव का केंद्र से कहा, मजदूरों से नहीं वसूल जाएं ट्रेन का किराया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र से अनुरोध किया है कि ट्रेन से अपने गृह स्थान की यात्रा करने वाले प्रवासी कामगारों से किराया न लें। ठाकरे ने कहा कि राज्य के विभिन्न केंद्रों में 40 दिनों तक करीब पांच लाख प्रवासी कामगारों को खाना और रहने की जगह दी गई और उन्होंने मौजूदा हालात को देखकर अपने घर जाने की इच्छा व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों के पास बीते कुछ हफ्तों से आय का कोई स्रोत नहीं है इसकारण मानवीय आधार पर केंद्र को उनसे यात्रा का किराया नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई गैर सरकारी संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता आदि प्रवासी कामगारों की ट्रेन टिकटों का खर्च उठाने के लिये आगे आ रहे हैं।

को बार बार उठाया है। दुर्भाग्य से न सरकार ने एक सुनी और न ही रेल मंत्रालय ने। इसलिए, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने यह निर्णय लिया है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की हर इकाई हर जरूरतमंद श्रमिक व कामगार के घर लौटने की रेल यात्रा का टिकट खर्च वहन करेगी व इस बारे जरूरी कदम उठाएगी। मेहनतकशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के मानव सेवा के इस संकल्प में कांग्रेस का यह योगदान होगा।

विदेशों से आने वाले भारतीय चुकाएंगे किराया

लंदन से दिल्ली आने के लिए देने होंगे 50 हजार रुपए

नई दिल्ली। विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए महा-अभियान की शुरुआत 7 मई से होगी। सरकार ने कहा है कि स्वदेश वापसी के लिए लोगों खुद किराया चुकाना होगा। इसके लिए किराया भी तय कर दिया गया है। लंदन से दिल्ली के बीच प्रति व्यक्ति किराया 50 हजार रुपए तय किया गया है। ढाका से दिल्ली के बीच किराया 12 हजार रुपए होगा।

नागर विमानन मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए 7 मई से 13 मई तक 64 विमानों का परिचालन होगा। पुरी ने कहा कि लोगों को किराया देना होगा। सभी यात्रियों की स्क्रीनिंग की जाएगी और उन्हें 14 दिन क्वारंटाइन किया जाएगा। विमान में भी सभी तरह के सुरक्षा नियमों का पालन किया जाएगा। नागर विमानन मंत्री ने कहा कि यह विशेष परिस्थिति में कॉमर्शल सर्विस है। सरकारी खजाने के पास अभी इसका भार वहन करने की गुंजाइस नहीं है।

उन्होंने बता कि 10 विमान यूएई, 2 कतर से, 5 सऊदी अरब से, 7 ब्रिटेन, 5 सिंगारपुर, 7 अमेरिका से, 5 फिलीपिंस से, 7 बांग्लादेश से नागरिकों को लाएंगे। पहले सप्ताह में 64 विमान नागरिकों को लाएंगे।

पाकिस्तान और आतंकवादी संगठन अलकायदा की भाषा एक

सीएए पर भारतीय मुसलमानों को भड़काने का नापाक मंसूबा

नई दिल्ली। वैश्विक आतंकवादी समूह अल-कायदा अरब पेनिन्सुला (एक्यूएपी) ने भारतीय मुसलमानों और समुदाय के विद्वानों से भारत के खिलाफ जिहाद में हाथ मिलाने की नापाक अपील की है। उसने सीएए का हवाला देकर मुसलमानों से कथित भेदभाव की बात कहते हुए हथियार उठाने और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने को कहा। हालांकि, आतंकवादी संगठन यह भूल गया कि उसके अलावा पाकिस्तान, और इस्लामिक स्टेट ने भी कई बार भारतीय मुसलमानों को उकसाने की कोशिश की, लेकिन उनके कट्टर और हिंसक विचारों को हर बार यहां खारिज किया गया।

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का कहा है कि अलकायदा के मिडिल ईस्ट विंग का यह बयान वैश्विक आतंकवादी समूह और पाकिस्तान के इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के बीच तालमेल को उजागर करता है, जो भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव का नैरेटिव बनाना चाहते हैं। आतंकवादी समूह ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का जिक्र किया है, जो तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित किए गए छह समुदायों के लोगों को आसानी से नागरिकता प्रदान करने के लिए लाया गया है। इस कानून को 5 महीने पहले दिसंबर 2019 में संसद से पास किया गया था। सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीएए का संदर्भ लेकर वैश्विक आतंकवादी समूह भारत के खिलाफ पाकिस्तान के सोशल मीडिया अभियान को समर्थन देने के अलावा मुस्लिम बाहुल्य वाले खाड़ी देशों के साथ भारत का रिश्ता खराब करना चाहता है और भारतीय मुसलमानों को भड़काना चाहता है। अधिकारी ने कहा, हम शुरुआत से सोशल मीडिया कैंपने को ट्रैक कर रहे हैं और 2,794 ट्विटर हैंडल्स की पहचान की है जिन्होंने इस सूचना युद्ध में सबसे अधिक सक्रिय भूमिका निभाई है।

दुनिया में कोरोना ➤ रूस में एक लाख 45 हजार 268 संक्रमित हैं, 1356 लोगों की जान जा चुकी है, इटली में 28 हजार से ज्यादा मौतें, दो लाख 10 हजार संक्रमित

इटली में करीब 2 महीने बाद लॉकडाउन में ढील, रूस में एक दिन में संक्रमण के 10 हजार 581 नए मामले आए

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

दुनिया में करोनावायरस से अब तक दो लाख 48 हजार 653 लोगों की मौत हो चुकी है। 35 लाख 84 हजार 116 संक्रमित हैं, जबकि 11 लाख 61 हजार 677 ठीक हो चुके हैं। इटली में करीब दो महीने बाद लॉकडाउन में थोड़ी राहत दी गई है। यहां 10 मार्च से लॉकडाउन है। पीएम गिउसेप कोंजे ने कहा कि संक्रमण को देखते हुए आगे फैसला लिया जाएगा। वहीं, रूस में एक दिन में 10 हजार 581 नए केस मिले हैं। यहां अब कुल एक लाख 45 हजार 268 मरीज हो गए। यहां 1356 लोगों की मौत हो चुकी है।18 हजार 95 लोग ठीक हो चुके हैं। मॉस्को सबसे ज्यादा प्रभावित है। ऑस्ट्रेलिया में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी का कारण विक्टोरिया प्रांत के मीट प्रोसेसिंग यूनिट को माना जा रहा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह खुलासा किया। अधिकारियों के मुताबिक, संक्रमण के 22 नए मामले आए हैं। इनमें 19 संक्रमित मीट प्रोसेसिंग यूनिट के कर्मचारी हैं। इससे पहले इस संयंत्र से 15 मामले सामने आए थे। विक्टोरिया प्रांत में संक्रमितों की संख्या में तेजी को देखते हुए रविवार को यहां 13 हजार लोगों का टेस्ट किया गया। राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या 1406 हो गई है। वहीं इटली में सरकार ने सोमवार से कुछ प्रतिबंधों में राहत दे दी है। लोग अब आसपास घूमने निकल सकते हैं। रेस्टोरेंट से खाना पैक करा सकते हैं। यहां संक्रमण के नए मामलों में कमी देखी जा रही है। सरकार ने अंतिम संस्कार में 15 लोगों के जमा होने की छूट दी है। यहां अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा 28 हजार 884 लोग मारे गए हैं, जबकि दो लाख 10 हजार 717 संक्रमित हैं। जर्मनी में 24 घंटे में 679 नए मामले सामने आए हैं, जो 12 मार्च के बाद सबसे कम है। वहीं, रविवार से सोमवार के बीच 43 मौतें हुईं, जो 25 मार्च के बाद सबसे कम है। देश में अब तक संक्रमितों की संख्या 1 लाख 63 हजार 175 तक पहुंच गई है, जबकि 6692 मौत हो चुकी है।

अमेरिका में एक दिन में 1450 मौतें

अमेरिका में 24 घंटे में 1450 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही देश में मरने वालों की संख्या 68 हजार 598 हो गई है। 11 लाख 88 हजार 122 संक्रमित हैं। देश के सबसे ज्यादा प्रभावित न्यूयॉर्क में 24 हजार 648 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन लाख 23 हजार 883 संक्रमित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को फॉक्स न्यूज से इंटरव्यू में दावा किया कि साल के अंत तक हम वैक्सीन बना लेंगे। इस दौरान उन्होंने वायरस को लेकर डेमोक्रेट्स की प्रतिक्रिया की आलोचना की। कहा कि वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने रविवार को कहा कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि वायरस की शुरूआत वुहान की लैब से हुई है। उन्होंने कहा कि अब तक के सबसे अच्छे विशेषज्ञों को लगता है कि यह मानव निर्मित था। मेरे पास इस पर विश्वास न करने का कोई कारण नहीं है।

संपादकीय

खुलते रास्ते

बंदी की वजह से सबसे मुश्किल रोजमर्रा भोजन के लिए श्रम करने वालों, किसानों, कृषि उत्पाद का कारोबार करने वालों को उठानी पड़ रही थीं। अब ऐसे लोगों को काम करने की इजाजत मिलने से स्थितियां सामान्य होंगी। पूर्णबंदी के चालीस दिन बाद आखिरकार जिंदगी अब खरामा खरामा अपने पुराने रास्ते लौटनी शुरू हो गई है। केंद्र सरकार ने कोरोना मामलों के मद्देनजर जिलों को लाल, नारंगी और हरा क्षेत्रों में बांट कर सेवाओं और कामकाज की बहाली की इजाजत दे दी है। बंदी की वजह से कारोबारी गतिविधियां ठप पड़ गई थीं, कल-कारखाने ठहर गए थे। ऐसे में उद्योग जगत का दबाव था कि बंदी को लंबे समय तक आगे न बढ़ाया जाए। मगर जिन राज्यों में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और उस पर अंकुश लगाना चुनौती बना हुआ है, उनका दबाव था कि बंदी को और आगे बढ़ाया जाए। कुछ राज्यों ने बंदी के तीसरे चरण की घोषणा भी कर दी थी। ऐसे में केंद्र सरकार के सामने स्वाभाविक ही असमंजस की स्थिति थी। पर राज्य सरकारों और केंद्र के विभिन्न महकमों से विचार-विमर्श के बाद यही रास्ता निकला कि बंदी को चौदह दिन के लिए और आगे बढ़ा दिया जाए, पर जिन इलाकों में संक्रमण कम है या बिल्कुल नहीं है, उनमें कारोबारी और दूसरी गतिविधियों को बहाल कर दिया जाए। हालांकि अभी स्कूल-कॉलेज, रेलें, हवाई जहाज, बस सेवाएं पूरे देश में बंद रहेंगी। जहां-तहां फंस गए और अपने घर लौटने के इच्छुक लोगों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए लौटने की इजाजत जरूर दे दी गई है। जहां संक्रमण के मामले बिल्कुल नहीं पाए गए, वहां कारोबारी गतिविधियों को बड़े पैमाने पर शुरू करने की छूट मिली है, पर जहां कम मामले हैं, वहां कई कारोबार बंद रहेंगे। अधिक संक्रमण वाले इलाकों में सख्ती बरकरार रहेगी। बंदी की वजह से सबसे मुश्किल रोजमर्रा भोजन के लिए श्रम करने वालों, किसानों, कृषि उत्पाद का कारोबार करने वालों को उठानी पड़ रही थीं। अब ऐसे लोगों को काम करने की इजाजत मिलने से उनके साथ-साथ शहरों में खाने-पीने की चीजों की किल्लत से जूझ रहे लोगों को भी कुछ आसानी होगी। इसके अलावा कुछ भारी उद्योगों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ रहा था, जिन्हें इस फैसले से राहत मिलेगी। पर ये उपाय बहुत थोड़े और पेचीदा भी हैं। इससे किसानों को खेतों में काम करने, फसलें बेचने में बेशक कुछ आसानी होगी, पर चूंकि पाबंदियां जिलेवार स्थितियों को ध्यान में रखते हुए हटाई गई हैं, इसलिए उन्हें भी कुछ कठिनाइयों का सामना करना ही पड़ेगा। जिलों की सीमाएं इस कदर आपस में जुड़ी होती हैं और पड़ोसी जिलों के लोगों का कामकाज एक-दूसरे पर निर्भर होता है, इसलिए अगर एक जिले में छूट दी गई है, पर उससे सटे जिले में पाबंदियां बरकरार हैं, तो उनकी आवाजाही पर असर पड़ेगा ही। इस तरह मंडियों में उनका आना-जाना सुगम नहीं होगा। यही समस्या शहरों में भी पैदा होगी। एक मुहल्ले में छूट होगी और उससे सटे दूसरे मुहल्ले में नहीं, तो कारोबारी गतिविधियां सुगम कैसे हो सकेंगी! इस बंदी की सबसे अधिक मार छोटे, मझोले और सूक्ष्म उद्योगों पर पड़ी है। अगर कुछ इलाकों में उन्हें खोलने की इजाजत मिल भी गई है, तो उनकी मुश्किल यह है कि वे संचालित कैसे हों। उनमें काम करने वाले बहुत सारे मजदूर या तो अपने गांव लौट गए हैं या लौटने की सुविधा के इंतजार में हैं। उनके बिना इन उद्योगों का काम नहीं चल सकता।

चलो अब चलते हैं गांव की ओर

प्रभात झा

जीवन हो, समाज हो, संस्था हो या राष्ट्र हो, इन सभी में प्रारंभ से ही उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। कोरोना वैश्विक महामारी भी इसी तरह की एक घटना है। सुघटना हो या दुर्घटना, दोनों के ही दो पहलू देखे जा सकते हैं। एक सकारात्मक, एक नकारात्मक। कोरोना का नकारात्मक पक्ष यह है कि वह मानव का जीवन समाप्त कर रहा है। वहीं, उसका दूसरा पक्ष है कि कोरोना के कारण शहरों में रहने वाले परदेसी लोगों को गांव की बहुत याद आ रही है। ग्रामीण परिवेश से निकल कर भारत के भिन्न-भिन्न शहरों और बड़े-बड़े महानगरों में जीविकोपार्जन के लिए जाने वाले गांव भूल गए और आज उन्हें सबसे ज्यादा गांव की याद आ रही है। वैश्विक महामारी कोरोना का संदेश है कि गांव और शहर के बीच में सदैव संतुलन रहना चाहिए। जैसे संतुलित आहार शरीर को स्वस्थ रखता है, वैसे ही गांव और शहर का संतुलन रहने से ही भारत की संस्कृति भी बचेगी और प्रगति भी होगी।

भारत के गांव वैदिककाल से ही प्रतिभा संपन्न थे। गांव में ज्ञान था, विज्ञान था, वेद थे, उपनिषद थे, पुराण थे, महाभारत था और रामचरितमानस भी। भारत की ग्राम्य सभ्यता और संस्कृति की विश्व में धाक थी। महात्मा गांधी ने 1909 में हिंद स्वराज में भारतीय गांवों का चित्र खींचते हुए भारतीय ग्राम संस्कृति को विश्व संस्कृति बताया था। उन्होंने जोर देकर कहा था, अगर गांव नष्ट होता है तो भारत भी नष्ट हो जाएगा, भारत किसी मायने में भारत नहीं रहेगा। उन्होंने गांव को भारत की आत्मा कहा था। उनका मानना था कि न केवल भारत, बल्कि विश्व व्यवस्था का उज्ज्वजल भविष्य भी गांवों पर निर्भर करता है। लेकिन आजादी के बाद दशकों तक सरकारी नीतियां ऐसी रहीं कि शहर फैलता गया और गांव को निगलता गया। महानगरों के आसपास के गांव दुबकते गए, वहीं गांव में शहर घुस आया। शहर अमीर होते चले गए और गांव गरीब। शहर खाने वाला, जबकि गांव उगाने वाला बन कर रह गया। शहर की स्वार्थी सभ्यता ने गांव को गुलाम बना दिया।

शहरी लालच में गांव वीरान होने लगा। किसी ने सुध नहीं ली, न सरकारों ने, न व्यक्ति ने और न ही समाज ने। इन सबका दुष्परिणाम आज सामने है। 1951 में भारत की तिरासी फीसद आबादी गांवों में रहती थी, जो आज घट कर उनहत्तर फीसद रह गई है। गांव समृद्ध हो, इसकी न नीयत रही है और न नीति।

1951 में गांव का बजट का कुल बजट का 11. 4 फीसद था, 1960-61 में यह बारह फीसद, 1970-71 में साढ़े नौ फीसद, 1980-81 में 10.9 फीसद, 1990-91 में 10.8 फीसद, 2000-01 में 9.7 फीसद और 2019-20 में 9.83 फीसद रहा। वहीं 1970-71 में देश के कुल कार्यबल का चौरासी फीसद गांवों में था, जो 1980-81 में घट कर 80.8 फीसद, 1990-91 में 77. 8 फीसद, 2010-11 में 70.9 फीसद और वर्तमान में घट कर लगभग

सत्तर फीसद रह गया है। देश के सत्तर फीसद कार्यबल के लिए दस फीसद से भी कम बजट। ऐसे में गांव की समृद्धि में अभिवृद्धि कैसे हो सकती है? ग्राम स्वराज्य का सपना कैसे पूरा हो सकता है?

आजादी के बाद देश की बागडोर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु के हाथ में आई थी। पर आजादी के बाद महात्मा गांधी के विचारों, खासकर उनके ग्राम स्वराज के विचारों की सबसे अधिक अनदेखी अगर किसी ने की तो वे जवाहरलाल नेहरू ही थे। हालांकि वे अपने भाषणों में कहा करते थे, सब कुछ इंतजार कर सकता है, पर कृषि नहीं। पर उनकी करनी में कहीं पर भी कृषि को महत्त्व नहीं दिया गया। भारत गांवों का देश है, अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों ने यही बात कही है।

कौन नहीं जानता भारत गांवों में बसता है! लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि गांव की कितनी चिंता की गई? डेढ़ वर्षों के अपने अल्प कार्यकाल में भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने गांव और किसान की चिंता करते हुए जय जवान जय किसान का नारा दिया था। गांव और किसान के जीवन में आशा की नई किरण का संचार हुआ, लेकिन उनकी आकस्मिक मृत्यु ने आशा की उस किरण को भी मृत कर दिया। नतीजा यह हुआ कि गांव और शहर का संतुलन बिगड़ता गया, भ्रष्टाचार और लालच गांव की संस्कृति और संवृद्धि को निगलता गया। गांव की समृद्धि ही भारत की समृद्धि है। भारत एक वेद है। हजारों गांव इस वेद की ऋचाएं हैं। वेद में प्रत्येक ऋचा का अलग भाव और व्यक्तित्व है। भारत के प्रत्येक गांव का भी अलग भाव और व्यक्तित्व है। लेकिन आज का सच क्या है? गांव शहर का उपनिवेश बनता जा रहा। शहर अमीर है, गांव गरीब है। गांवों में अस्पताल नहीं हैं। अगर हैं तो स्वास्थ्य सेवाएं पूरी नहीं हैं। स्कूलों की भी हालत अच्छी नहीं है। आज चूल्हे से मुक्ति जरूरी है, वन की रक्षा हुई है।

स्किल इंडिया जरूरी है, लेकिन इसकी सफलता गांव में लघु-कुटीर उद्योग के रूप में है। प्रकृति और संस्कृति के सौंदर्य की रक्षा करते हुए गांव की रक्षा होनी चाहिए। गांव में संवृद्धि आए, लेकिन बिना किसी विकृति के। विकास की नीतियां ऐसी हों, जिसमें गांव-शहर का संतुलित विकास हो। शहर बाजार है, तो गांव संस्कृति और विचार। संवृद्धि का आधार सांस्कृतिक हो, प्राकृतिक हो, संस्कृतिविहीन और प्रलयकारी नहीं।

वैश्विक महामारी कोरोना से आज विश्व का हर राष्ट्र हिल गया है। उसके इलाज के लिए टीके या दवा की खोज में पूरी दुनिया लगी है। अनेक संस्थाएं, जो गांव आधारित सर्वे और विश्लेषण करती हैं, उनका मानना है कि कोरोना से भारत अब भी इसलिए बचा है क्योंकि अधिकांश आबादी गांवों में बसती है। वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का भी यही कहना है। गांवों में शुद्ध जल है, शुद्ध हवा है, पेड़-पौधे हैं, नदी है, सरोवर हैं, पर्वत हैं, खेत हैं, खलिहान हैं। लेकिन शहरों-महानगरों ने प्रकृति के पंच महाभूतों- क्षिति, जल, पावक, गगन और समीर पर धावा बोल कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया है। गांव, खेत-खलिहान, वन-उपवन की छाती चीरते शहर सीमेंट कंक्रीट की बेतरतीब इमारतें लेकर फैलते जा रहे हैं।

गंदे नाले, खराब जल, प्रदूषित हवा के कारण शहर-महानगर महामारी के शिकार हो रहे हैं। कारण है, गांवों से शहरों में अनियोजित पलायन। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 45.36 करोड़ अंतरराज्यीय प्रवासी हैं, जो देश की कुल जनसंख्या का सैंतीस फीसद है। वहीं हाल के आर्थिक सर्वेक्षण में यह बताया गया है कि शहरों में प्रवासी कार्यबल की आबादी दस करोड़ (बीस फीसद) से अधिक है। केवल दिल्ली और मुंबई में यह आबादी लगभग तीन करोड़ है। 2019 में किए गए एक अध्ययन की मानें तो दिल्ली, मुंबई, कोलकत्ता महानगर और हैदराबाद, बंगलुरु जैसे देश के बड़े शहरों की उनतीस फीसद आबादी दैनिक मजदूरों की है।

आज कोरोना महामारी से शहरों-महानगरों में उत्पन्न कंपन और डर ने रेलवे की पटरियों पर झुग्गी बस्तियों, रेलवे पुलों के नीचे, सड़कों के किनारे बने अस्थायी बस्तियों में रहने वाले, मुंबई की धारावी जैसी झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों के मन में अब आने लगा है कि गांव का फूस और खपरैल का घर इन नारकीय बस्तियों से बेहतर है। कोरोना माहामारी के इस काल में लोगों में आतुरता बढ़ी है और सहज कहने लगे हैं -चलो गांव की ओर। पूरे देश को खिलाने की ताकत गांवों में है। इसी ताकत के कारण कोरोना महामारी में भारत आज बचा है। इसी ताकत के कारण भारत आज बचा है।

विडंबना

चिंताजनक है पत्रकारों के खिलाफ बढ़ती हिंसा

योगेश कुमार गोयल

दरअसल संस्था की वर्ष 2020 की इस रिपोर्ट के मुताबिक प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में भारत इस बार फिर दो पायदान और नीचे खिसक गया है। कुल 180 देशों पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत अब 142वें स्थान पर पहुंच गया है, जो 2017 में 136वें स्थान पर, 2018 में 138वें और 2019 में 140वें पायदान पर था।

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स एक ऐसा गैर लाभकारी संगठन है, जो दुनिया भर के पत्रकारों पर हमलों का दस्तावेजीकरण करने और मुकाबला करने के लिए कार्यरत है और प्रतिवर्ष वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स अर्थात विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक रिपोर्ट पेश करता है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स की स्थापना वर्ष 1985 में रॉबर्ट मेनार्ड द्वारा की गई थी। इस संस्था का मुख्यालय पेरिस में है तथा बर्लिन, ब्रसेल्स, जेनेवा, मेड्रिड, रोम, स्टॉकहोम इत्यादि स्थानों पर भी इसके कार्यालय हैं। संस्था विश्वभर में मीडिया पर होने वाले हमलों पर नजर रखती है तथा विभिन्न देशों में सरकारों के साथ मिलकर उन देशों में प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कार्य करती है। संस्था की द वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2020 नामक इस रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि भारत में वर्ष 2019 में किसी भी पत्रकार की हत्या नहीं होने से देश में मीडिया के लिए सुरक्षा स्थिति में सुधार नजर आया है क्योंकि वर्ष 2018 में देश में छह पत्रकारों की हत्या कर दी गई थी। इसके बावजूद रिपोर्ट कहती है कि देश में मीडिया की स्वतंत्रता का खूब उल्लंघन हुआ है।

स्वतंत्रता के मामले में भारतीय प्रेस की रैंकिंग नीचे खिसकने का सबसे बड़ा कारण रहा गत वर्ष 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 खत्म करते हुए जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करना। दरअसल उसके बाद राज्य में कई प्रकार के कठोर प्रतिबंध लगा दिए गए थे, जिस कारण वहां मीडिया को रिपोर्टिंग करने में बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट में स्पष्ट तौर पर कहा भी गया है कि कश्मीर में उत्पन्न हुई स्थिति की वजह से भारत की रैंकिंग पर काफी प्रभाव पड़ा है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स की इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रेस की स्वतंत्रता का लगातार उल्लंघन किया गया, जिनमें पत्रकारों के खिलाफ पुलिसिया हिंसा, राजनीतिक कार्यकताओं द्वारा हमला, बदमाशों और भ्रष्ट स्थानीय अधिकारियों द्वारा बदले में हिंसा इत्यादि शामिल हैं। रिपोर्ट कहती है कि रिपोर्टिंग के समय पत्रकारों को पुलिस की हिंसा सहनी पड़ी, राजनैतिक दलों और अपराधियों द्वारा हमले भी किए गए, साथ ही कई भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा भारत में पत्रकारों का अपमान भी किया गया।

भारतीय लोकतंत्र में प्रेस को सदैव लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की संज्ञा दी जाती रही है क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती में इसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। यही वजह है कि स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बहुत अहम माना गया है लेकिन पेरिस स्थित रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स नामक संस्था ने 22 अप्रैल को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर जो तथ्य पेश किए हैं, उससे भारत को एक बार फिर झटका लगा है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2020 में भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की स्थिति की विवेचना करने के अलावा यह भी स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार दुनियाभर में पत्रकारों के खिलाफ घृणा हिंसा में बदल गई है, जिससे विश्वभर में पत्रकारों में डर बढ़ा है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स की वर्ष 2019 की रिपोर्ट में भी साफतौर पर कहा गया था कि भारतीय पत्रकारों को कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय पत्रकार कई तरह के खतरों का सामना करते हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-अंग्रेजी भाषी मीडिया के लिए कार्यरत पत्रकार। भारत में हिन्दुत्व वाले विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों के खिलाफ सोशल मीडिया पर घृणित अभियानों पर चिंता जताने के साथ रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में उन पत्रकारों को सोशल मीडिया पर टारगेट किया गया, जिनकी किसी रिपोर्ट ने हिन्दुत्व विचारधारा के अनुयायियों को परेशान किया या उनके खिलाफ कुछ लिखा गया।

संस्था के सर्वे में हर साल कुल 180 देशों की सूची होती है और इन सभी देशों में सालभर प्रेस की स्वतंत्रता के मामलों का बारीकी से अध्ययन करने के पश्चात ही विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक रिपोर्ट तैयार की जाती है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2020 के अनुसार प्रेस स्वतंत्रता के मामले में नार्वे लगातार चौथी बार पहले पायदान पर है और उत्तरी कोरिया सबसे निचले अर्थात 180वें पायदान पर। 22 अप्रैल को जारी किए गए इस सूचकांक में दूसरे नंबर पर फिनलैंड, तीसरे पर डेनमार्क, चौथे पर स्वीडन, पांचवें पर नीदरलैंड, छठे पर जमैका, सातवें पर कोस्टारिका, आठवें पर स्विटजरलैंड, नौवें पर न्यूजीलैंड, दसवें पर पुर्तगाल और ग्यारहवें स्थान पर जर्मनी को रखा गया है। सर्वे रिपोर्ट में फ्रांस 34वें पायदान पर, यूके 35वें पर, अमेरिका 45वें पर, जापान 66वें, मालदीव 79वें, ब्राजील 107वें, नेपाल 112वें, अफगानिस्तान 122वें, श्रीलंका 127वें, पाकिस्तान 145वें तथा बांग्लादेश 151वें पायदान पर हैं। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स की इस रिपोर्ट में इन दिनों पूरी दुनिया में खलनायक के रूप में उभरा चीन प्रेस स्वतंत्रता के मामले में 177वें स्थान पर है। सूचकांक के अनुसार दक्षिण एशिया ने अन्य सभी क्षेत्रों की तुलना में सबसे कमजोर प्रदर्शन किया है।

बहरहाल, अगर बात केवल भारत के संदर्भ में की जाए तो रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स की रिपोर्ट में पिछले कुछ वर्षों से लगातार यही कहा जाता रहा है कि भारत में प्रेस स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति में से एक पत्रकारों के खिलाफ हिंसा है,जिसमें पुलिस की हिंसा, माओवादियों के हमले, अपराधी समूहों या भ्रष्ट राजनीतिज्ञों का प्रतिशोध शामिल है। इसका सीधा और स्पष्ट अर्थ यही है कि भारत में प्रेस स्वतंत्रता के मामले में स्थिति केवल तभी बेहतर हो सकती है, जब पत्रकारों पर होने वाले हमलों को पूरी तरह रोका जा सके।

ज्ञान गंगा

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, 'मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं।' पिता ने पूछा, 'क्यों?' कन्या बोली, 'पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ?सा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।' कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है। प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। 'अहं' को 'अर्हम्' में बदलना। अहं और अर्हम में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम पर ऊर्ध्वर लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

twitter

स्व. ऋषि कपूर साहब की एक फि ल्म में गाना था जो मुझे याद आ रहा है, मैं देर करता नहीं, देर हो जाती है... ये सटीक बैठता है कांग्रेस के नेता श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी पर। वो विज्ञप्ति जारी कर कह रहे है कि कांग्रेस, श्रमिकों की आवाजाही का खर्च वहन करेगी!

- शिवराज सिंह चौहान

मजदूरों के रेल एवं बस का किराया कांग्रेस पार्टी उठायेगी। मैं, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जी द्वारा मजदूरों के घर लौटने के किराये का खर्च वहन करने संबंधी निर्णय का स्वागत करता हूँ।

- कमल नाथ

उज्जैन वार्ड 32 से भाजपा पार्षद मुजफ्फर हुसैन जी की कोरोना संक्रमण से दुःखद मौत हो गयी है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति दे। सम्पूर्ण मध्यप्रदेश भाजपा परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि।
ॐ शांति शांति शांति !!

- राकेश सिंह

तस्वीर की त्रासदी, त्रासदी की तस्वीर

अवधेश बजाज

हम अश्वत्थामा नहीं, किन्तु हमारे कपाल पर एक मणि के होने का गुमान हमेशा से चस्पा कर दिया गया था। वह पत्थर इन बेशकीमती ख्यालों से चमकता-दमकता था कि हम मानव समाज में रह रहे हैं। इस मणि के स्पर्श से ही हमारी मस्तिष्क पटल पर यह चलचित्र खिंचा हुआ था कि सचमुच हम 'नारी तुम केवल श्रद्धा हो...' वाली पंक्तियों के व्यावहारिक पक्ष वाले धरातल पर श्वांस ले रहे हैं। किन्तु हाल ही में वह मणि जैसे किसी ने उखाड़ फेंकी। कपाल के नीचे टकी दो आँखों ने यह छायाचित्र देख लिया। कानों ने वह सुनने का दंड सिर-माथे उठा लिया, जो मस्तिष्क के सुन्न होने की प्रक्रिया को नामालूम स्तर तक वाली पीड़ा की और सतत रूप से धकेलता जा रहा है। क्योंकि यह उस अभागी माँ का मामला है, जो देशव्यापी तानाशाही की जंजीरों को एक हजार दो सौ अँठ्यावन किलोमीटर वाले फासले तक के लिए सहने को विवश कर दी गयी है। दुधमुँही बच्ची को गोद में लिए उसे गुजरात के सूरत से उत्तरप्रदेश के प्रयागराज तक पैदल ही यह सफर तय करना है। मानव निर्मित हालात की आग और प्रकृति निर्मित मौसम की आँच के बीच वह एक साथ अनेक किरदार जी रही है।

यह असह्य छटपटाहट निश्चित ही अमरता का अभिशाप ढ़ो रही है। मैं भी अभिशप्त हो गया हूँ, इसे द्वापरकालीन जख्म की भांति अपने कपाल पर सहन करने के लिए। अकेला मैं ही क्यों, हमारे सम-हृदयी संकुल की विचार श्रृंखलाओं वाली वीथिकाओं में रक्त्से - बिस्मिल चरम पर है।

उस स्त्री का, जो इस देश की वर्तमान शासन व्यवस्था में 'गरीब' और 'आम' होने की सजा इस रूप में भुगत रही है। उस माँ का, जो अपने कलेजे के टुकड़े की कलेजा मुंह को ला देने वाली हालत देखने के बावजूद लाचार है। वह रवीन्द्रनाथ ठाकुर की ;... एकला चलो' वाली प्रेरणा नहीं है, अपितु निराला की '...देखा मैंने उसे इलाहबाद के पथ पर' वाली ऐसी त्रासदी है, जो अब पत्थर नहीं तोड़ रही. बल्कि वह पत्थर बना दिए गए हालात को तराशती हुई उन्हें जिंदगी का स्वरुप देने की लगातार नाकाम होती कोशिश कर रही है। कहने को तो वह कोरोना वायरस से खुद और बच्ची की हिफाजत के लिए इस दुर्गम सफर पर निकली है, किन्तु यह अर्द्ध सत्य का ही साक्षात्कार है। क्योंकि शरीर-भर से फूटा पसीने का झरना तो कोरोना के विषाणु को अपने नमक में घोलकर खत्म कर देने की ताब रखता है। जिस्म के भीतर चल रहा भावनाओं का सैलाब कोविड-19 को अतल गहराइयों के भीतर तक गर्क करने में पूर्णतः सक्षम है। वह दरअसल उस शोक यात्रा पर निकली है, जो देश की सत्ता के कर्णधारों की शौक यात्रा की पाशविक प्रवृत्ति की वजह से उसे आरम्भ करनी पड़ी है। सारा मुल्क कोरोना के शोक में डूबा है और हुक्मरानों को शौक है कि इसका भी अपनी तरह से जश्न मना लिया जाए। कोरोना की रोकथाम के नाम पर एक बार फिर विभाजन सदृश हालात बनाकर, नोटबंदी की तरह ही पुनः यकायक बंदिशें लादकर, बीते करीब साढ़े छः वर्ष की भांति तमाम तानाशाही निर्णयों को देश की जरूरत का नाम देकर। तो केंद्र में बैठे नरेंद्र मोदी और उनके हरकारे जो कोरोना पर्व फिलहाल मनाने में मशगूल हैं, यह महिला और उसकी बच्ची उसी उत्सव का हृदयविदारक काला सत्य हैं। यह छायाचित्र उस शासन व्यवस्था की प्रेत छाया का प्रतिबिम्ब है, जो जन-आकाँक्षाओं की लाश के साथ मनमाने एवं जन-विरोधी फैसलों वाली कपाल क्रिया करने में अघोरियों के समूह की तरह जुटी हुई है। लोक तंत्र के गीत के नाम पर इस पवित्र भावना का मर्सिया पढ़ने का जो निर्वसन चरित्र इस मुल्क की व्यवस्थाओं पर हावी है, वह ही 'क्लिक' के आत्मा को दहला देने वाले उस स्वर को गूंजने का निमित्त बनता है, जो क्लिक ऐसे छायाचित्र को हमारे सामने ले आता है। और हम पथराई आँखों से वह देखने को विवश हो जाते हैं, जिस विवशता की पीड़ा को मैं यह छाया चित्र देखने के बाद से लगातार भोग रहा हूँ। किसी वीर पुरुष की कहानी पढ़ी थी। अपने हाथ में हुए खतरनाक घाव का दर्द बिसराने के लिए वह शरीर के अन्य हिस्से को उसी भी बड़ा घाव दे देता है। ताकि अपेक्षाकृत छोटे दर्द की पीड़ा को कम महसूस किया जा सके। इस महिला की दशा से उपजी व्यथा की लकीर को छोटा करने के लिए मैं उसके बरअक्स अमरकांत के 'दोपहर का भोजन' वाली सिद्धेश्वरी की भूख को याद करता रहा। मैंने मैक्सिम गोर्की की 'माँ' यानी पेलगाया निकोवना वसोवा की औलाद के लिए संघर्षमयी जीवन यात्रा का पूरी शिद्दत से स्मरण किया। रूथ वाटरमैन की भोपाल स्मारक वाली बच्चे को गोद में लेकर विलाप करती माँ की प्रतिमा में प्राण फूंकने का जतन किया। सत्यजीत रे की 'अपराजितो' के दर्द को स्वयं में कायांतरित करने प्रयास किया। यह सब इसलिए कि इन सभी तकलीफों के आगे सूरत से प्रयागराज तक पैदल सफर को विवश इस माँ की पीड़ा की अपने भीतर से व्यथा को कुछ कमतर आंक सकूं। किन्तु मानव द्वारा रचे गए इन चरित्रों के आगे सत्ताधीश दानव की करतूत के रूप में सामने आये इस चरित्र को कोई भी परास्त नहीं कर सका। इस तस्वीर का दर्द न जाने कितने समय तक मुझे निरंतर सालता रहेगा।

जॉन सीना ने ऋषि कपूर के बाद इरफान खान को दी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड के दो दिग्गज एक्टर इरफान खान और ऋषि कपूर का निधन हो गया है। इरफान खान का 29 अप्रैल को तो वहीं एक्टर ऋषि कपूर का 30 अप्रैल को निधन हुआ। दोनों ही दिग्गज एक्टरों के निधन के बाद पूरा बॉलीवुड के साथ साथ हॉलीवुड भी सदमे में आ गया है। हाल ही में डब्ल्यूडब्ल्यूई और हॉलीवुड के स्टार जॉन सीना ने ऋषि कपूर और इरफान खान के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने दोनों स्टार्स की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। जॉन सीना ने तस्वीरों के साथ कैप्शन नहीं लिखा है। उनके द्वारा शेयर किए गए तस्वीर पर फैन्स खूब रिएक्शन दे रहे हैं। इस तस्वीर से ये साफ पता चलता है कि जितना दुखी बॉलीवुड है उतना ही दुखी हॉलीवुड भी हैं। यह पहली बार नहीं है कि जॉन सीना ने किसी भारतीय की तस्वीर शेयर की हो। उन्होंने बीते दिनों बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट रहे आसिम रियाज की भी तस्वीर शेयर कर शुभकामनाएं दी थीं। बता दें कि कुछ दिन पहले हॉलीवुड एक्ट्रेस एंजेलिना जोली ने इरफान खान के साथ एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उन्होंने इरफान खान के इंतकाल पर शोक व्यक्त किया था। उनके अलावा कई स्टार्स ने ऋषि कपूर और इरफान खान को श्रद्धांजलि दी थी।

बता दें कि इरफान खान का 29 अप्रैल को निधन हुआ। साल 2018 में इरफान खान को पता चला था कि वह न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित हैं। इस बीमारी के इलाज के लिए इरफान खान लंदन भी गए थे। वहीं करीब दो साल से ल्यूकेमिया से जंग लड़ रहे ऋषि कपूर को तबीयत बिगड़ने के बाद बुधवार को एच. एन. रिलायंस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां अगले दिन सुबह पौन नौ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। ऋषि कपूर का निधन 30 अप्रैल को हुआ था।

आइ फोर इंडिया में शाहरुख खान ने गाया गाना, कहा- सब सही हो जाएगा

कोरोना वायरस की चपेट से कोई देश अछूता नहीं रहा है। चीन से शुरू हुआ ये वायरस दुनिया भर में अपना आंतक मचा रहा हैं जिसके चलते लाखों लोगों की जान जा रही हैं। भारत में भी कोरोना का कहर देखने को मिल रहा है। कोरोना वायरस के चलते कई लोगों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में रविवार की शाम बॉलीवुड और हॉलीवुड सेलेब्स ने एक ऑनलाइन कॉन्सर्ट आइ फोर इंडिया का आयोजन किया था। इस ऑनलाइन कॉन्सर्ट में मनोरंजन से लेकर खेल जगत की कई हस्तियां एक साथ नजर आई। इसी दौरान बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान भी इस ऑनलाइन कॉन्सर्ट में नजर आए। वो भी एक अलग अंदाज में। जिसे देख हर कोई हैरान रह गया। इस दौरान किंग खान ने कोई एक्टिंग नहीं बल्कि सिंगिंग में अपना जलवा दिखाया। जी हां अगर आपको यकिन नहीं तो आप इस वीडियो को देख सकते हैं। यहां उन्होंने एक खास गाना गाया, जिसमें उन्होंने लॉकडाउन को कैसे हैंडल करें और इसके बाद क्या अच्छी बातें होने वाली हैं। उसके बारे में बताया। शाहरुख के साथ इस परफॉर्मेंस में उनके छोटे बेटे अबराम खान भी नजर आए। अबराम और शाहरुख ने कूल डांस मूव्ज भी देखने को मिला। किंग खान ने अपने परफॉर्मेंस का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, सब सही हो जाएगा। म्यूजिक, लिरिक्स और रात भर काम करने के लिए बादशाह और सायनी राज व आई फॉर इंडिया का बहुत आभारी हूं। एडिट के लिए शुक्रिया सुनील। ये सब ताकि मैं गा सकूं। अब भाई, लॉकडाउन में मुझे गाते हुए भी झेलना पड़ेगा। सोशल मीडिया पर किंग खान का ये अंदाज सबको पसंद आ रहा है। हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। बता दें कि ऑनलाइन कॉन्सर्ट शाम 7.30 बजे शुरू हुआ है

जो 4 घंटें तक चला था। इसमे बॉलीवुड के कई सितारों शामिल हुए थे। आमिर खान, शाहरुख खान, अभिषेक बच्चन, प्रियंका चोपड़ा, ऋतिक रोशन, करीना कपूर खान, विद्या बालन, शबाना आजमी, ऐश्वर्या राय बच्चन, आलिया भट्ट, अर्जुन कपूर, सैफ अली खान, रानी मुखर्जी, माधुरी दीक्षित, अक्षय कुमार, दिलजीत दोसांझ, दलकेर सलमान, कैटरीना कैफ, विक्की कौशल, अनुष्का शर्मा, आयुष्मान खुराना, टाइगर श्रॉफ और सोफी टर्नर शामिल हैं। संगीत बिरादरी से एआर रहमान, ब्रायन एडम्स, मिंडी केलिंग, गुलजार, जावेद अख्तर, जे सीन, उस्ताद अमजद अली खान, जोनस भाई, अमान अली, अयान अली, शंकर एहसान लॉय, सोनू निगम, अनुष्का शंकर, अरिजित सिंह, बादशाह, रेखा भारद्वाज और अन्य लोग मौजूद रहेंगे। फरहान अख्तर, फराह खान, करण जौहर, किरण राव, जोया अख्तर आदि।

रकुल प्रीत जमकर कर रही हैं योगा, देखिए ये शानदार तस्वीर

इन दिनों पूरी दुनिया कोरोना वायरस की लड़ाई लड़ रही हैं। चीन से शुरू हुआ ये वायरस पूरी दुनिया में आग की तरह फैलता ही जा रहा हैं। जिसकी चपेट में भारत भी आ गया हैं। ऐसे में पीएम मोदी ने 17 मई तक लॉकडाउन घोषित कर दिया है। ऐसे में हर कोई अपने घर में बंद है और कुछ ना कुछ कर रहा है। हाल ही में रकुल प्रीत ने अपने इस्टंग्राम ने अपनी तस्वीर शेयर की है जिसमें वो योगा करती नजर आ रही हैं। तस्वीर में उनका पैर ऊपर है और सर नीचे की तरफ है। रकुल प्रीत ने बताया कि मैं पहली बार योगा कर रही हूँ। तस्वीर मे देख सकते है कि काफी आसानी से वो योगा कर रही हैं। उन्होंने ये दुपट्टे की मदद से किया है। रकुल प्रीत ने ये तस्वीर कुछ देर पहले ही अपने इंटरनेट पर शेयर किया था जिसमें हजारों लाइक्स और कमेंट आ गए हैं। सोशल मीडिया पर ये तस्वीर काफी वायरल हो रही हैं। साथ ही फैंस को उनकी ये तस्वीर काफी पसंद आ रही है। लॉकडाउन के चलते रकुल प्रीत अपना सारा समय घर पर ही बिता रही हैं और अपने फैंस के लिए कुछ ना कुछ शेयर करती रहती हैं। साथ ही वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

आटे के पैकेट में नोट बांटने पर आया आमिर खान का जवाब

आमिर खान ने लॉकडाउन के दौरान पीएम केयर्स फंड महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष फिल्म वर्कर्स एसोसिएशन और कुछ एनजीओ को दान दिया था। देशभर में कोविड 19 वायरस की रोकथाम के लिए लॉकडाउन चल रहा है। ऐसे में तमाम लोग जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आये हैं। इनमें फि ल्मी हस्तियां भी शामिल हैं। अक्षय कुमार, सलमान खान, शाह रुख खान, अजय देवगन से लेकर छोटे-बड़े सभी कलाकारों ने किसी ना किसी रूप में मदद की है। कुछ दिन पहले आमिर खान का भी एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसमें दिखाया गया था कि गेहूं के बैग्स में नोट रखकर लोगों को दिये जा रहे हैं। अब आमिर खान ने अपने इस चैरिटी वीडियो की सच्चाई से पर्दा उठाया है। वीडियो इंटरनेट पर खूब देखा गया था। अब आमिर ने खुद ट्वीट करके इस वीडियो को फेक बताया है। आमिर ने लिखा- साथियों, गेहूं के बैग्स में पैसे रखने वाला व्यक्ति मैं नहीं हूं। या तो यह पूरी तरह फजी स्टोरी है या फिर रॉबिनहुड अपना नाम उजागर नहीं करना चाहता होगा। सुरक्षित रहिए। टिकटॉक पर बनाये गये इस वीडियो में दिखाया गया था कि आमिर ने ट्रकभर कर गेहूं का आटा भेजा है। वीडियो में दावा किया गया कि ट्रक 23 अप्रैल को दिल्ली में गरीबों के बीच पहुंचा था। कुछ लोगों ने पैकेट लेने से मना कर दिया था, क्योंकि उन्हें लगा कि एक किलो आटे से क्या होगा, मगर जिन्होंने घर जाकर पैकेट खोला तो हैरान रह गये। हर पैकेट से 15000 रुपये कैश निकला। आमिर खान ने लॉकडाउन के दौरान पीएम केयर्स फंड, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष, फिल्म वर्कर्स एसोसिएशन और कुछ एनजीओ को दान दिया था। हालांकि उन्होंने कहीं भी सोशल मीडिया में इसका प्रचार नहीं किया था। बाद में आमिर के करीबियों की तरफ से बताया गया था कि अपनी निमार्णाधीन फि ल्म लाल सिंह चड्ढा में काम करने वाले डेली वेज वर्कर्स को सपोर्ट करने के लिए भी आर्थिक सहयोग किया है ताकि लॉकडाउन के दौरान शूटिंग ना होने पर उनके सामने परिवार पालने का संकट ना खड़ा हो। हालांकि, आमिर ने दान की गयी राशि का खुलासा नहीं किया।

लॉकडाउन के चलते मौनी रॉय घर पर कर रही हैं डांस

कोरोना वायरस के कहर से हर कोई बच रहा है। ऐसे में लोग अपने घर में पिछले एक महीने से भी ज्यादा समय से बंद हैं। लॉकडाउन के चलते फिल्म और टीवी शोज की भी शूटिंग बंद हैं। ऐसे में एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने घर पर हैं। इस दौरान मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और लगातार अपनी नई नई फोटोज और वीडियो शेयर कर रही हैं। इसी बीच मौनी ने इंस्टाग्रा पर एक डांस वीडियो शेयर किया है। इसमें वह फिल्म 'लुटेरा' के गाने 'सवार लूं' गाने पर थिरकती नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस व्हाइट अनारकली सूट में नजर आ रही हैं। उनके डांस मूव्स देखने लायक है फैंस का उनका ये अंदाज बेहद अच्छा लग रहा है। इससे पहले भी मौनी कई वीडियो शेयर कर चुकी हैं, जिसमें वो कुकिंग करते तो कभी बगीचे में सब्जियां तोड़ती नजर आई थी। इससे पहले मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थी जिसमें वो अपने घर पर लगे पेड़-पौधों में पानी डालते नजर आई थी। वर्कफ्रंट की बात की जाए तो मौनी रॉय की अगली फिल्म का नाम ब्रह्मास्त्र है। इसमें वह रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और डिंपल कपाड़िया जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ दिखेंगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में मौनी रॉय निगेटिव रोल में नजर आएंगी। इससे पहले मौनी ने राजकुमार राव के साथ फिल्म मेड इन चाइना में नजर आई थी इस फिल्म ने पर्दे पर कुछ खास कमाल नहीं किया था।

52 साल की उम्र में पापा बने थे शाहिद-ईशान के पिता राजेश खट्टर

ईशान खट्टर के पिता और शाहिद कपूर के स्टेप फादर राजेश खट्टर 52 साल की उम्र में पापा बने थे। राजेश खट्टर ने 2008 में वंदना सजनानी से शादी की। शादी के 11 साल बाद वो पापा बने। 24 अगस्त 2019 को उनके घर बेबी बॉय का जन्म हुआ। 3 मई को अपनी 12वीं मैरिज एनिवर्सरी पर राजेश ने 9 महीने के बेटे वनराज की तस्वीर शेयर की। तस्वीर को शेयर कर कैप्शन में राजेश ने अपने बेटे वनराज के दिल की बात लिखी है, जो ऐसे है - आप सभी को मेरा हैलो (मेरा पहला हैलो आप सभी शानदार लोगों के लिए) पापा कहते हैं कि दुनिया आज कठिन दौर से गुजर रही है लेकिन ये भी बीत जाएगा और हम बच्चों के लिए आप सभी इस दुनिया को पहले से कहीं ज्यादा सुंदर बनाने जा रहे हैं। हम बच्चे इस वादे के लिए आप सभी का धन्यवाद करते हैं। राजेश की वाइफ वंदना 52 साल की उम्र में मां बनीं और ये उनकी इच्छाशक्ति ही थी कि वो इतनी मुश्किल से मां बनीं थीं।राजेश खट्टर ने भी अपने पापा बनने की खुशी को एक लीडिंग टेबलाइड से साझा करते हुए बताया था कि- मेरे लिए, 50-प्लस की एज में पापा बनना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन मैं इस कैटेगरी में ना तो पहला शख्स था और ना ही आखिरी। तीन आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) और तीन सरोगेसी विफलताओं के बाद पिछले 11 सालों में, हम यहां तक पहुंचे हैं। मैं अपनी खुशी जाहिर नहीं कर सकता। मैं अपनी कहानी बताना चाहता हूं क्योंकि ये बाकी कपल्स को विश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा। और आशा मत छोड़ो, चाहे आपकी उम्र कुछ भी हो। आपको बता दें कि 3 मिसकैरेज, 3 आईवीएफ, 3 आईयूआई और 3 असफल सरोगेसी के बाद वंदना और राजेश को वनराज के रूप में अपना बेबी चाइल्ड मिला। वनराज का इस दुनिया में आगमन आईवीएफ टेक्नोलॉजी की मदद से हुआ था। हालांकि वंदना ने बेटे को जन्म करीब ढाई महीने पहले ही जन्म दिया था। मुश्किल से पापा बनने के बाद वो बहुत खुश थे राजेश खट्टर टीवी के जाने माने एक्टर हैं। कई बॉलीवुड फिल्मों में उन्होंने काम किया है। उन्होंने डॉन, आइना, सूर्यवंशम,खिलाड़ी 786, एक्शन जैक्सन, रेस 2, हैलो डॉर्लिंग समेत 25 फिल्मों में काम किया है। पिछले साल वो एवेंजर्स एंडगेम के लिए चर्चा में थे। पिछले 10 सालों से वो आयरन मैन फिल्में आयरन मैन, आयरन मैन 2, आयरन मैन 3 आवाज देते आ रहे हैं। राजेश खट्टर ने साल 1990 में शाहिद की मम्मी नीलिमा अजीम से शादी की थी। शादी के 11 साल बाद दोनों का तलाक हो गया। राजेश और नीलिमा के बेटे हैं ईशान खट्टर। वहीं शाहिद कपूर के पापा पंकज कपूर हैं। शाहिद और ईशान हाफ ब्रदर हैं।

कोरोना वॉरियर्स का हौसला बढ़ाने के लिए ऐश्वर्या की बेटी आराध्या ने बनाया ये खास स्कैच

इन दिनों पूरा देश कोरोना वायरस की लड़ाई से लड़ रहा हैं। ऐसे में सरकार ने लॉकडाउन घोषित किया हुआ है। आम जनता से लेकर बॉलीवुड सितारें इस नियम का पालन कर रहे हैं। साथ ही साथ हर कोई कोरोना वॉरियर्स को अपने अपने तरीकों से सलाम कर रहे हैं। बीते दिनों कई सेलेब्स ने कोरोना वॉरियर्स की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए थे। वहीं अब अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी ने कोरोना वॉरियर्स को धन्यवाद कहा है। आराध्या बच्चन ने खूबसूरत सा एक स्कैच बनाया है। साथ ही घर पर सुरक्षित रहने की अपील की है। ऐश्वर्या ने सोशल मीडिया पर इसकी फोटो शेयर की है। ऐश्वर्या ने फोटो कैप्शन में लिखा है, मेरी प्यारी आराध्या का प्यार और आभार...। आराध्या ने इस संकट की घड़ी में देश की सेवा में जुटे डॉक्टर्स, नर्स, सफाई कर्मचारी, मीडिया कर्मियों और सेना के जवानों का स्कैच बनाया है। उन्हें धन्यवाद कहा है। साथ ही घर का आकार देते हुए उसमें अपने माता-पिता संग खुद की तस्वीर बनाई है और घर पर रहें और सुरक्षित रहें का संदेश लिखा है। सोशल मीडिया पर फैंस को आराध्या का ये स्कैच बेहद पसंद आ रहा है। हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। आपको बता दें कि आराध्या अभी केलव 8 साल की हैं। ऐश्वर्या अपनी बेटी को बहुत कम मीडिया के सामने आने देती थी। उनका मानना है कि वे अपनी बेटी की परवरिश में ढेर सारा प्यार ह ा े जरूर देंगी लेकिन उन्हें एक नॉर्मल बच्चे की तरह रहने देना चाहती है। ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या बच्चन हमेशा ही एक साथ नजर आते हैं। कोई इवेंट हो ये फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल का रेड, कारपेट ऐश्वर्या जहां भी जाती हैं वहां आराध्या को अपने साथ लेकर जाती हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन बेटी आराध्या को अपने संस्कार देना नहीं भूल रहीं। ऐश्वर्या एक आम मां की तरह आराध्या को स्कूल छोड़ने और लेने जाती हैं। साथ ही वो अपनी बेटी के हर स्कूल फंक्शन में जरूर शामिल होती हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन की तरह आराध्या भी काफी स्टाइलिश और फैशनेबल हैं। आराध्या के वेस्टर्न आउटफिट्स से लेकर देसी अवतार तक ऐश्वर्या सब कुछ अपनी बेटी के हिसाब से तय करती हैं।

अक्षय की हीरोइन तृषा हुई 37 साल की, साउथ के स्टार विजय से था अफेयर !

साउथ स्टार तृषा कृष्णान आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। 4 मई 1983 को चेन्नई में जन्मी तृषा आज 37 साल की हो गई हैं। साउथ की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक तृषा साउथ की सुपरस्टार कहलाती हैं। तृषा ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत महज 17 साल की उम्र में कर दी थी। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कम समय में टॉप पर पहुंचने वाली अभिनेत्रियों में तृषा का नाम भी शुमार होता है।

तृषा ने थलाइवा रजनीकांत से लेकर साउथ के सभी टॉप स्टार्स के साथ काम किया है। फिल्मों में काम करने से पहले तृषा ने मॉडलिंग की थी। 1999 में तृषा ने मिस मद्रास का खिताब जीता था। हांलाकि मॉडलिंग से पहले तृषा क्रिमिनल सायकोलॉजी में अपना करियर बनाना चाहती थीं। लेकिन किस्मत उन्हें चमक-धमक की दुनिया में ले आई। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाने के बाद तृषा ने बॉलीवुड में कदम रखा था, लेकिन अफसोस तृषा बॉलीवुड में अपनी पहचान नहीं बना पाईं। और बॉलीवुड में वन फिल्म वंडर बनकर रह गईं। 2010 में तृषा बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ फिल्म खट्टा-मीठा में नजर आईं थीं। खट्टा-मीठा को डायरेक्टर प्रियदर्शनने डायरेक्ट किया था। फिल्म में तृषा के काम को काफी पसंद किया गया था, लेकिन इसके बाद तृषा को बॉलीवुड में कोई खास काम नहीं मिल पायाऔर तृषा ने वापिस साउथ लौट जाने का फैसला कर लिया। साउथ में तृषा जाना-पहचाना नाम हैं, जो हमेशा खबरों में बनीं रहती हैं। तृषा के अपने काम की वजह से वाह-वाही बटोरती हैं, तो कई बार तृषा का नाम कोन्ट्रोवर्सी से भी जुड़ा है। 2008 में अपनी दुबई वेकेशन के दौरान डोलफिन के साथ खेलने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करने के बाद तृषा को बुरी तरह से ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा था। इससे पहले भी एक मैगजीन के साथ विवाद के चलते तृषा और उनकी मां के खिलाफ अरेस्ट वॉरेंट जारी हो चुका है। मैगजीन में छपी अपनी कुछ तस्वीरों को लेकर तृषा ने मैगजीन पर मानहानि का मुकद्दमा दर्ज करवाया था, जिसमें बाद में तृषा ही फंस गई थीं। तृषा की निजी जिंदगी की बात करें तो, वो साउथ के सुपरस्टार विजय से लेकर बाहुबली के भल्लालदेव राणा डुग्गुबती तक को डेट कर चुकी हैं। तृषा का नाम सबसे पहले तमिल फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार विजय के साथ जुड़ा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक तृषा और विजय ने एक-दूसरे को लंबे वक्त तक डेट किया है। दोनों की लव-स्टोरी फिल्म के सेट पर शुरू हुई थी, दोनों के अलावा दो और फिल्मों में भी साथ में काम कर चुके हैं। विजय से ब्रेकअप के कुछ समय बाद तृषा ने साउथ के दुसरे सुपरस्टार राणा डुग्गुबती को डेट करना शुरू किया था। राणा और तृषा को कई मौकों पर साथ देखा गया, लेकिन तृषा ने राणा को सिर्फ अपना अच्छा दोस्त बताया। 2015 में तृषा ने बिजनेसमैन वरूण के साथ सगाई की थी लेकिन तृषा और राहुल की सगाई सिर्फ चंद महीनों तक ही टिकी थीं। अब तृषा सिंगल हैं और आज अपने जन्मदिन का जश्न मना रही हैं।

अम्बाह बाजार खोलने की छूट के दौरान 28 लोगों ने किया कानून का उल्लंघन

नगर पालिका अम्बाह ने चालान काटकर 8000 का जुर्माना वसूला

राधा तोमर रिपोर्टर

अम्बाह / लॉक डाउन के चलते लगभग 43 दिन से बंद बाजार खुलने पर प्रसाशन द्वारा निर्धारित नियमों का व्यापारियों व जनता द्वारा पालन नहीं किया गया, जिसके चलते सोमवार मंगलवार को लगभग 30 दुकानदारों पर जुर्माना आरोपित कर लगभग 8000 रुपए की राशि वसूली गई ज्ञात रहे कि स्थानीय प्रशासन द्वारा दुकानों को क्रमशः खुलने की छूट देने के बाद सोमवार से शहर में किराना कृषि उपकरण कपड़ा सर्राफ सहित अन्य तरह की दुकान खुलने लगी है किंतु दुकानदर व ग्राहकों के लिये प्रशासन ने जो नियमावली बनाई थी उन नियमों का ना तो

दुकानदार द्वारा पालन किया गया,और ना ही जनता द्वारा और तो और भीड़ बढ़ने के कारण लोग सोशल डिस्टेंसन को भी पूरी तरह भूल गए , अनेक लोग बिना मास्क लगाये बेवजह बाजार में घूमते नजर आये, जिसकी वजह से कोरोना के संक्रमण का खतरा बढ़ सकता हैं उधर बाजार में दो दिन से लगातार उमड़ रही भीड़ के चलते 40 दिन से सूने पड़े चौराहे और मुख्य मार्गों पर फिर से ट्रैफिक की रफ्तार दिखाई देने लगी है, लोग अनुमति ना होने पर भी अपने अपने वाहन लेकर सड़कों पर निकल रहे हैं जिससे अनेक स्थानों पर जाम की समस्या भी उत्पन्न हो रही है, वहीं पुलिस बल कम होने के कारण इन वाहनों की चेकिंग की भी नहीं हो पा रही है जिससे यह पता नहीं लग रहा कि उक्त वाहन कहां से कहां जा रहे हैं

करंट से 2 गायों की मौत डायल 100 की सूचना पर बंद हुई बिजली लाइन

पुष्पांजली टुडे

दतिया। जिले के अनुभाग भाण्डेर के अंतर्गत आने बाले ग्राम सलेतरा में करंट से बेजुबान दो गायो की दर्दनाक मौत सूचना पर मौके पर पहुंची डायल100 पायलट राहुल नागिल ओर आरक्षक अबदेश 532 के द्वारा बिजली विभाग को इसकी सूचना दी गई जिस पर बिजली की लाइन बन्द की गई जब तक गायो की मौत हो चुकी थी , प्राप्त जानकारी के अनुसार हम आपको बता दे कि ग्राम सलेतरा में किसानों द्वारा ष्ठक्कसे खेतो के लिये बिजली के तार डाले रखे हुय है तो बही तार खेत के चारो ओर लगी तार फेंसिंग से टकरा गए जिससे तार फेंसिंग के करंट फैल गया जिसकी चपेट में आने से भारत सिंह यादव और रामगुलाम कुशवाहा की गायो की दर्दनाक मौत हो गई , डायल100 पायलट राहुल नागिल ओर आरक्षक 532 अब्देश ने सभी

ग्रामीणों को बिजली से दूर रहने की समझाइस दी।

अम्बाह मे कोराना जैसे संक्रमण मे कन्धे से कंधा मिलाके जागृति करने बाले पत्रकार बन्धु व समाज सेबियो को किया प्रोत्साहित...

सुनील तोमर रिपोर्टर

अम्बाह / प्रतिज्ञा समाज कल्याण समिति भोपाल गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डधारी संस्था के अध्यक्ष अनिल उपाध्याय द्वारा कोरोना लॉक डाउन वॉरियर्स में कर्मवीर पत्रकार व समाज सेवियों को गमछा देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर अनिल उपाध्याय जी ने कहा कि इन विषम परिस्थितियों में आपके द्वारा जनसेवा व जन जागरूकता का जो कार्य किया जा रहा है वह अतुलनीय हैं। समाज सेवी संस्थाओं के सेवाभावी सवयंसेवक लॉक डाउन की बजह से आर्थिक रुप से पीड़ित जरूरतमंद परिवार प्रवासियों को निः शुल्क भोजन देना हो या सूखी खाद्यान्न सामग्री देना हो या कोरोना बचाव के लिए मास्क देना हो या ग्रीष्म ऋतु में पंछियों के पानी सकोरे व दाना रखना हो आदि मानवीय सेवा के कार्य अपनी जान की परवाह न करते हुए कर रहे हैं। हमारे पत्रकारबन्धु जन जागरूकता की न्यूज देने के साथ सेवा के कार्य भी कर रहे हैं मुझे श्यामसुंदर मन्दिर के संरक्षक मनोज गोयल जी व विकास शर्मा जी के सहयोग से अपने ऐसे मानवता उपासक भाई व बहनों को प्रोत्साहित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री शर्मा ने विचार व्यक्त करते हुए आगे कहाकि मेरे द्वारा कोरोना लॉक डाउन पुस्तक लिखी जा रही है जिसमें मुझे आप अपने सेवा समर्पण कार्य के अनुभव जरूर लिखकर दें। इस अवसर पर राजवीर शर्मा, केशव पंडित जी, राधा तोमर सुनील तोमर , हरेंद्र तोमर, सत्यपाल तोमर,जगपाल तोमर पंकज हरदैनिया, सोनू अग्रवाल परमानन्द गुप्ता, नीरज शर्मा, हरेंद्र शर्मा, मोनू पाराशर, छोटू पंडित, ओपी जैन, राहुल जैन पंकज जैन, विमल कुमार कुमार जैन दिनेश गुप्ता, विकास गुप्ता सुनील शर्मा, दुर्गेश शर्मा, आदित्य सारवन, मनीष शर्मा, दीपक शर्मा, अखिलेश प्रजापति, शेखर माथुर, असफाक खान, जीशान खान आदि थे।

दूल्हा दुल्हन ने किया सोसल डिस्टेन्स का पालन मास्क लगाकर रचाई शादी

पुष्पांजली टुडे

दतिया जिला कलेक्टर रोहित सिंह के आदेश पर सभी अधिकारी कोरोना को लेकर हर ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं तो बही भाण्डेर सीईओ ऑफीसर सिंह बीसी विवेक शर्मा के निर्देश में सभी स्वच्छाग्राही भी ग्रामीण क्षेत्रो में कोरोना को लेकर सोशल डिस्टेन्स सहित ग्रामीण क्षेत्रो में सभी गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं , भाण्डेर के ग्राम क्योलारी में शासन के नियमो के अनुरूप दूल्हा दुल्हन ने रचाई शादी , मास्क लगाकर रचाई शादी , माता पिता बने बाराती, सिर्फ 10 लोगो की उपस्थिति में शादी हुई सम्पन्न, ग्राम अधिकारी स्वच्छाग्राहीयो की उपस्थिति में शादी हुई सम्पन्न, शादी में उपस्थित सभी ने लगाए मास्क बारातियों को वितरित किय गए मास्क ओर सेनेटाइजर, पूर्णतः किया गया सोसल डिस्टेन्स का पालन मिली जानकारी के अनुसार ग्राम क्योलारी में 4/05/2020 को रूपा दुबे सुपुत्री नाथूराम दुबे, की शादी

अमित दुबे के साथ सम्पन्न हुई, दिन में 12 से 3 में मध्य विवाह संपन्न हुआ जिसमे स्वच्छाग्राही लोकेन्द्र परिहार,ब्रजेन्द्र कुशवाहा, गीता यादव, विजय प्रताप यादव, जयहिन्द गौतम, ब्लॉक भाण्डेर टीम उपस्थित रही इन्ही की निगरानी में विवाह संपन्न हुआ

क्षेत्रीय बोलियों के ऑनलाइन कवि सम्मेलन में बही काव्य सरिता

दिल्ली(अर्पित गुप्ता)। साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली के बोली विकास मंच द्वारा मई माह के प्रथम आदित्यवार को शाम सात बजे से नौ बजे तक क्षेत्रीय बोलियों के संवर्धन हेतु ऑनलाइन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कवि सम्मेलन में सम्पूर्ण राष्ट्र से कई प्रान्तों के कवि कवयित्रियों द्वारा अपनी अपनी क्षेत्रीय बोलियों में शानदार काव्य प्रस्तुतियां दी। विभिन्न बोलियों की रचनाएं सुन आनंद हो गया। कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कवयित्री भावना दीक्षित,रही। विशिष्ट अतिथि संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवीर सिंह मन्त्र एवम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित जी रहे।

ऑनलाइन कवि सम्मेलन की संयोजिका अलका जैन आनंदी ने बताया कि कवि सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ शारदे की पूजन अर्चन दीप प्रज्वलन शारदे की वंदना से किया गया। काव्यपाठ करने वालों अलका जैन आनंदी राजवीर सिंह मन्त्र डॉ.राजेश कुमार शर्मा पुरोहित कुमुद श्रीवास्तव कुमुदिनी डिम्पल जैन उमा मिश्रा प्रीति आशुतोष त्रिपाठी आलोक रितु गुलाटी ऋतंभरा कलावती करवा षोडश कला भारती वर्मा बौड़ाई सरोज सिंह राजपूत ठाकुर शिवशंकर बोहरा डॉ. भावना दीक्षित ज्ञान श्री मनीष जौनपुरी प्रज्ञा शर्मा रवि रश्मि अनुभूति राजीव डोगरा सुमित मूंदड़ा प्रमुख है।

प्रशासन ने नाबालिग किशोरी का विवाह रुकवाया, चाइल्ड लाइन पर आया था फोन

पिछोर। जहाँ एक तरफ कोरोना जैसी महामारी अपने पैर पसार रही है तो वही शादियों के सीजन में विवाह के साथ–साथ बाल विवाह करने की तैयारी कई परिवारो ने कर ली हैं,जिन पर महिला बाल विकास विभाग व चाईल्ड लाईन की टीम नजर बनाए हुए हैं। सोमवार को पिछोर के सुजावनी गांव में 17 वर्षीय किशोरी के हो रहे विवाह को रूकवाया गया। चाईल्ड लाईन नंबर 1098 पर हिम्मतपुर सुजावनी गांव में कंवारिया समाज में बाल विवाह की सूचना पर सोमवार को पहुंची।टीम में पिछोर परियोजना अधिकारी अरविंद तिवारी,पर्यवेक्षक वर्षा जैन मौके पर पहुंची। उन्होने सरपंच उषा यादव,पंचायत सचिव एंव आंगनवाडी कार्यकर्ता रामदेवी जाटव को भी मौके पर बुलाया। सरपंच एंव पंचायत सचिव ने भी भरोसा दिलाया कि वह बाल विवाह नही होने देंगें। इसी पर्यवेक्षक अरविंद तिवारी ने परिजनो को समझाया कि बाल विवाह बच्चो के साथ माता पिता के द्धारा की गई क्रूरता हैं। इस पर परिजनो ने बाल विवाह न करने का संकल्प पत्र लिखकर दिया तथा टीम को भरोसा दिलाया कि अब उम्र पूरी होने के बाद ही विवाह करेंगें।

जिला कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ लोगों से जानकारी ली

संजय सिंह चौहान रिपोर्टर

भिण्ड। जिले से बाहर जाने के लिए कई लोगों ने बताया कि वह किसी न किसी कारण से जिले में आए हुए थे लेकिन अचानक लॉकडाउन हो जाने के कारण यही फस गए हैं, जब जिला कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ लोगों से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि हमने अपने घर जाने के लिए पास बनवाने के लिए आवेदन कर रखा है लेकिन चार पाँच दिन होने को आए न तो पास ही मिला लोगों ने बताया कि उन्हें पास नहीं मिलने के कारण अपने घर वापिस नहीं लौट पाने के कारण परेशान हो रहे हैं।

कोरोना का कोई मरीज न होने से ग्रीन जोन कोरोना मुक्त रखा गया

पंकज त्रिपाठी प्रदेश ब्यूरो प्रमुख

भिण्ड। जिलाचिकित्सालय सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा ने खास बातचीत के दौरान कहा कि जिला भिण्ड में कोरोना का कोई मरीज नहीं होने से जिला को ग्रीन जोन (कोरोना मुक्त)रखा गया है, लेकिन बहार से लगभग तीस हजार लोग आए हैं और अभी आ रहे हैं जिनका परीक्षण किया जा रहा है,यह समय सावधानी के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है हमें सावधानी बरतनी होगी।सीएमएचओ डॉ मिश्रा ने जिलेवासियों से मास्क लगाने और शोसल डिस्टेंस बनाए रखने की अपील की है उन्होंने बताया कि कोरोना से बचने के लिए सावधानी ही सबसे बेहतर उपाय है।

शासकीय धन का गबन करने वाली भृत्य निलबित

मोहन मांझी

गोहद। मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोहद द्वारा शासकीय धन का गबन करने वाली भृत्य श्रीमती पुष्पा देवी को निलंबित किए जाने हेतु जिला पंचायत में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया विगत 2 दिन पहले ही जनपद पंचायत सीईओ ने गबन करने के आरोप में प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी सीईओ के प्रतिवेदन पर जिला कार्यालय से पुष्पा देवी को निलंबित कर दिया एवं निलंबन अवधि में कार्यालय मेहगांव जनपद पंचायत मुख्यालय रहेगा।

मजदूरों को झांसी यूपी एमपी बॉर्डर पर प्रवेश कराने का इंतजाम किया

संदीप प्रधान ब्यूरो चीफ

दतिया। सिकंदरा बैरियर पर पुलिस अधीक्षक अमर सिंह राठौर के निर्देशन में एस आई होतम सिंह बघेल और थाना प्रभारी जिगना रविंद्र शर्मा और दिलीप प्रधान दोबारा किया जा रहा बाहर से आ रहे मजदूरों को झांसी यूपी एमपी बॉर्डर पर प्रवेश कराने का इंतजाम मजदूर सभी वाहनों का पूरी तरह से प्रवेश मजदूरों को खाली जा रहे बहन रोककर एवं उनमें बैठाकर भेजने का काम पुलिस कर रही है अपनी टीम के साथ अदर स्टेट के लोगों का अदर स्टेट प्रशासन द्वारा आगा अमन जारी।

शराब चोरों के हौंसले बुलंद, एक ही रात में लाखों की देसी मदिरा की हुई चोरी

संदीप प्रधान ब्यूरो चीफ

दतिया। भदौरिया की खिड़की पर संचालित देसी शराब की दुकान पर चोरों ने दी दस्तक ,देसी मदिरा की 97 पेटी हुई चोरी अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये आंकी जा रही है , आबकारी अधिकारी और कोतवाली पुलिस मौके पर मौजूद कोतवाली थाना छेत्र का मामला, सिटी कोतवाली मैं अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हुआ मामला दर्ज पुलिस कर रही खोज जिला आबकारी अधिकारी द्वारा कराया गया मामला दर्ज।

थाना जिगना के नूनवाह चेकिंग पॉइंट पर गुजरात और महाराष्ट्र से आवागमन जारी है

संदीप प्रधान ब्यूरो चीफ

गुजरात के जाम नगर से बसों में सवार होकर लोगो का आना जाना जारी है। पुलिस द्वारा दतिया निवासियों का मौके पर ही मेडिकल टीम से मेडिकल करा सभी को कवरेंटीन किया जा रहा है वही अन्य जिले वालो को दतिया के बाहर से ही गुजारा जा रहा है। थाना प्रभारी जिगना रविन्द्र शर्मा व उनकी टीम मुस्तेद होकर लगातार सक्रिय है । थाना प्रभारी रविन्द्र शर्मा के साथ सुबेदार होतम सिंह बघेल,उप निरीक्षक सुनील कुमार भी बल के साथ शिवपुरी झांसी हाइवे पर मुस्तेद होकर महाराष्ट्र से सेंधवा, इंदौर, गुना शिवपुरी होकर उप्र के भिवित्र शहरों में जाने वाले हजारों लोगो के आवागमन में लगे है । आने जाने वाले लोगो को सूरज यादव, मुकेश प्रजापति, दिलीप प्रधान राय तथा अन्य लोगो के सहयोग से भोजन का घोलतथा पानी कि व्यवस्था कि गयी है ।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन

महू शाखा में सात दिवसीय ऑनलाइन मोबाइल क्लास आयोजित

इंदौर(अर्पित गुप्ता)। महिला सशक्तिकरण और जन -जागरण प्रकल्प के अंतर्गत इंदौर के महू में प्रोजेक्ट किया गया।जिसमे लॉकडाउन के चलते मोबाइल क्लास ऑनलाइन आयोजित हुई । जो की दिनांक 27 अप्रैल से 03 मई तक चलाई गई।संस्था की सचिव राजकुमारी अग्रवाल जो इस मोबाइल क्लास की संयोजिका और मास्टर ट्रेनर है उन्होंने बताया इस क्लास में मोबाइल और व्हाट्सएप से जुड़ी चीजें और फंक्शन सिखाया गया।यह क्लास शाम को 5 से 6 चली थी और इसमे 50 सदस्यों ने उत्साह से बहुत कुछ सीखा।यहां बता दें कि अध्यक्ष किरण गोयल के नेतृत्व में यह ऑनलाइन सम्मेलन आयोजित हुआ।संस्था की संस्थापिका शकुंतला डोली और सरिता खंडेलवाल,भावना लुनवाल आदि ने भी ट्रेनिंग दी । इस दौरान मोबाइल क्लास की ऑनलाइन विजिट भी हुई विजिट करने आई राष्ट्रीय जन जागरण प्रकल्प प्रमुख इंदु जी सोमानी, प्रांतीय अध्यक्ष अंशु जी गुप्ता, प्रांतीय महिला सशक्तिकरण प्रमुख नेहा जी अग्रवाल, प्रांतीय जन जागरण समिति प्रमुख मृदुला जी राठी , प्रतिंय कोषाध्यक्ष करुणा लोहारिया । इन सब विजिटर्स ने मोबाइल क्लास की बहुत सराहना की और सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

क्षेत्रीय बोलियों के ऑनलाइन कवि सम्मेलन में बही काव्य सरिता

दिल्ली(अर्पित गुप्ता)। साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली के बोली विकास मंच द्वारा मई माह के प्रथम आदित्यवार को शाम सात बजे से नौ बजे तक क्षेत्रीय बोलियों के संवर्धन हेतु ऑनलाइन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कवि सम्मेलन में सम्पूर्ण राष्ट्र से कई प्रान्तों के कवि कवयित्रियों द्वारा अपनी अपनी क्षेत्रीय बोलियों में शानदार काव्य प्रस्तुतियां दी। विभिन्न बोलियों की रचनाएं सुन आनंद हो गया। कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कवयित्री भावना दीक्षित,रही। विशिष्ट अतिथि संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवीर सिंह मन्त्र एवम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित जी रहे। ऑनलाइन कवि सम्मेलन की संयोजिका अलका जैन आनंदी ने बताया कि कवि सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ शारदे की पूजन अर्चन दीप प्रज्वलन शारदे की वंदना से किया गया। काव्यपाठ करने वालों अलका जैन आनंदी राजवीर सिंह मन्त्र डॉ.राजेश कुमार शर्मा पुरोहित कुमुद श्रीवास्तव कुमुदिनी डिम्पल जैन उमा मिश्रा प्रीति आशुतोष त्रिपाठी आलोक रितु गुलाटी ऋतंभरा कलावती करवा षोडश कला भारती वर्मा बौड़ाई सरोज सिंह राजपूत ठाकुर शिवशंकर बोहरा डॉ. भावना दीक्षित ज्ञान श्री मनीष जौनपुरी प्रज्ञा शर्मा रवि रश्मि अनुभूति राजीव डोगरा सुमित मूंदड़ा प्रमुख है।

कोरोना के बीच शतरंजः 6 टीमों का ऑनलाइन नेशंस कप आज से 10 मई को होगा फाइनल, विश्वनाथन आनंद भी भारत के लिए खेलेंगे

- कोरोनावायरस के बीच अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) और चेस.कॉम मिलकर ऑनलाइन नेशंस कप करा रहे
- भारत, रूस, अमेरिका, चीन समेत 6 टीमें 9 मई तक राउंड रॉबिन में खेलेंगी, टॉप-2 टीमों के बीच होगा फाइनल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनावायरस के बीच अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) और चेस.कॉम ऑनलाइन नेशंस कप कराने जा रहा है। यह टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होगा और फाइनल 10 मई को खेला जाएगा। इसमें भारत, रूस, अमेरिका, चीन, यूरोप और रेस्ट ऑफ द वर्ल्ड (बाकी दुनिया) की टीम शामिल होगी। इनके बीच 9 मई तक राउंड रॉबिन में मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद टॉप-2 टीमों के बीच 10 मई को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में भारत के लिए 5 बार के वर्ल्ड चेस चैम्पियन विश्वनाथन आनंद भी खेलेंगे। कोरोना महामारी के कारण जून-जुलाई तक के लगभग सभी खेल टूर्नामेंट टाले या रद्द किए जा चुके हैं। खेल के सबसे बड़े इवेंट टोक्यो ओलिंपिक को भी एक साल के लिए टाल दिया गया है। वहीं, क्रिकेट टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया है। ऐसे में यह ऑनलाइन टूर्नामेंट खेल प्रशंसकों के लिए एक अच्छी खबर की तरह है।

व्लादिमीर क्रेमनिक होंगे भारत के कप्तान

इस टूर्नामेंट की इनाम राशि 1 लाख 80 हजार डॉलर (करीब 1.38 करोड़ रुपए) है। संन्यास ले चुके दिग्गज गैरी कास्पारोव और व्लादिमीर क्रेमनिक भी इस टूर्नामेंट में शामिल होंगे। जो क्रमशः यूरोप और भारतीय टीम के कप्तान होंगे। इन सभी टीमों में दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जबकि मौजूदा वर्ल्ड चैम्पियन मैग्नस कार्ल्सन इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे।

हर टीम में एक महिला खिलाड़ी होना जरूरी

सभी 6 टीमों में कप्तान समेत 7-7 खिलाड़ी होंगे, जिनमें एक महिला का होना जरूरी है। भारत की ओर से कप्तान व्लादिमीर के अलावा विश्वनाथन आनंद, विदित गुजराती, पेंतला हरिकृष्णा, कोनेरू हम्पी, अधिबन भास्करन और हरिका द्रोणावल्ली टीम में शामिल हैं। हर टीम से सिर्फ चार खिलाड़ी (तीन पुरुष और एक महिला) ही मुकाबले में खेलेंगे। इन खिलाड़ियों का चयन कप्तान ही करेगा। बाकी रिजर्व में रहेंगे।

हर चाल के लिए खिलाड़ी को 25 मिनट मिलेंगे

खेल में हर चाल के बाद खिलाड़ी को 25 मिनट और एक्स्ट्रा टाइम के तौर पर 10 सेकंड दिए जाएंगे। राउंड रॉबिन के बाद टॉप-2 टीमों के बीच फाइनल होगा। यह 10 राउंड तक चलेगा। फाइनल टाई होने की स्थिति में उस टीम को विजेता घोषित किया जाएगा, जिसने राउंड रॉबिन में सबसे पहले क्वालिफाई किया था। सभी मैच 4 बोर्ड पर खेले जाएंगे और हर दिन दो राउंड में मुकाबले होंगे।

मुकाबलों के दौरान कड़ी निगरानी होगी

मुकाबलों के दौरान अनुचित तरीकों का तो इस्तेमाल नहीं हो रहा, इसे देखने के लिए खिलाड़ी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेगा। साथ ही चेस.कॉम और फिडे के द्वारा सीसीटीवी, डेस्क स्कैन, रूम स्कैन, स्क्रीन शेयर, मॉनिटर चेक समेत अन्य प्रकार से निगरानी रखी जाएगी।

आसिफ ने पीसीबी से दूसरा मौका मांगा, कहा

मैं फिक्सिंग में शामिल होने वाला न तो पहला, न आखिरी पाकिस्तानी

कराची ■ एजेंसी

स्पॉट फिक्सिंग के दोषी पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर दूसरा मौका नहीं देने का आरोप लगाया है। आसिफ ने कहा कि फिक्सिंग में शामिल मैं कोई पहला या आखिरी गेंदबाज नहीं हूं। मेरे से पहले और बाद में भी कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने ऐसा किया। उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइंफो से यह बात कही। आसिफ ने कहा कि पीसीबी को मेरे साथ अच्छा बर्ताव करना चाहिए था, क्योंकि उसने फिक्सिंग में शामिल कई खिलाड़ियों को दूसरा मौका दिया था।

इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि हर कोई गलती करता है, मैंने भी की। मुझसे पहले और बाद में ऐसा करने वाले कई खिलाड़ी आज क्रिकेट खेल रहे हैं या पीसीबी के साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। पीसीबी ने यह जानते हुए भी कि मैं ऐसा गेंदबाज हूं, जिसे दुनिया मानती है, कभी मुझे बचाने की कोशिश नहीं की। लेकिन, मैं ऐसा नहीं हूं कि जो अतीत के बारे में भी सोचकर परेशान होता रहे।

मैं जितना भी खेला, उस पर मुझे फक्र

आसिफ ने कहा कि मैं जितना भी खेला, उस पर मुझे फक्र है। मैंने दुनिया हिलाकर रख दी थी। मेरे लिए यह अहम है। इतने साल बीत जाने के बाद आज भी दुनिया के बड़े बल्लेबाज मेरे बारे में बात करते हैं। केविन पीटरसन, एबी डीविलियर्स, हाशिम अमला जैसे बल्लेबाज मुझे अच्छा गेंदबाज मानते हैं। इससे पता चल जाता है कि मैंने क्रिकेट की दुनिया पर अपनी कैसी छाप छोड़ी थी।

2010 में इंग्लैंड दौरे पर स्पॉट फिक्सिंग

2010 में पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे पर आसिफ स्पॉट फिक्सिंग में शामिल पाए गए थे। तब उन्होंने पैसों के लिए नो बॉल फेंकी थी। दोषी पाए जाने पर उन पर 7 साल का बैन लगा। इसी मामले में बल्लेबाज सलमान बट्ट भी दोषी पाए गए थे। दोनों को इस अपराध की वजह से जेल भी जाना पड़ा था।

गेंदबाजों के सही इस्तेमाल से शीर्ष पर पहुंची भारतीय टीम : मुश्ताक

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर मुश्ताक अहमद ने कहा है कि भारतीय टीम अपने गेंदबाजों के सही इस्तेमाल से ही विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंच गयी है और इसमें प्रमुख योगदान पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का है। धोनी अपने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने में महारथी रहे हैं और अब यही काम वर्तमान कप्तान विराट कोहली कर रहे हैं। अहमद के अनुसार अभी भारत के युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा और पाकिस्तान के शादाब खान सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। दुनिया भर में कोचिंग दे चुके मुश्ताक के अनुसार चहल इस समय विश्व क्रिकेट के शीर्ष लेग स्पिनरों में से है पर क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करके वह और प्रभावी हो सकते है। उन्होंने कहा कि सीमित ओवरों के प्रारूप में बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता से चहल और कुलदीप यादव भारत के लिए मैच बदलले वाले गेंदबाज बन गए हैं। मुश्ताक ने कहा कि चहल बहुत अच्छे गेंदबाज हैं, लेकिन क्रीज का बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं। वह कुछ मौकों पर क्रीज से बाहर जा सकते हैं। पिच को समझने की चतुराई होनी चाहिए। सपाट पिच पर सीधे स्टम्प पर गेंद डाली जा सकती है। उन्होंने कहा कि गेंद ग्रिप ले रही है तो क्रीज के बाहर भी जा सकते हैं ताकि बल्लेबाजों को परेशानी हो।

ओलिंपिक के लिए अब तक 9 भारतीय क्वालिफाई कर चुके हैं, खेल मंत्री रिजिजू ने कहा

मुक्केबाजों के दम पर भारत 2024 के ओलिंपिक में टॉप-10 में आ सकता है

- खेल मंत्री किरन रिजिजू ने मुक्केबाजों के साथ वीडियो चैट के दौरान यह बात कही
- ऑनलाइन सेशन में एमसी मैरीकॉम, पंघल समेत 140 मुक्केबाजों और कोच ने हिस्सा लिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

खेल मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि मुक्केबाजों के दम पर भारत ओलिंपिक में टॉप-10 में आ सकता है। उन्होंने मुक्केबाजों के साथ वीडियो चैट के दौरान यह बात कही। रिजिजू ने कहा कि 2024 ओलिंपिक में देश को शीर्ष 10 में लाने में मुक्केबाजों की भूमिका अहम हो सकती है। इस ऑनलाइन सेशन में ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकीं एमसी मैरीकॉम, अमित पंघल, पूजा रानी, सिमरनजीत कौर, लवलीना समेत 160 बॉक्सर और कोचों ने हिस्सा लिया। हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर सांतियागो निएवा भी इस ऑनलाइन सेशन में शामिल हुए थे।

झारखंड में लड़कियों के लिए स्कूल खोलेंगी पूर्व ओलिंपियन

रांची। लंदन ओलिंपिक की स्वर्ण पदक विजेता मिस्सी फ्रैंकलिन ने कहा कि वह झारखंड स्थित गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) युवा के साथ काम कर रही है जिनका लक्ष्य लड़कियों के लिए स्थायी स्कूल बनाना है। लंदन ओलिंपिक में चार स्वर्ण पदक जीतने वाली मिस्सी को प्रतिष्ठित लॉरेस पुरस्कारों में पिछले साल सम्मानित करने को कहा गया था। उन्होंने कहा, मैं यह कहते हुए उत्साहित हूं कि मैं लॉरेस अकादमी की सदस्य होने के साथ-साथ युवा में बोर्ड सदस्य भी हूं। वे लड़कियों के स्कूल के लिए काफी काम कर रहे हैं। ओलिंपिक में पांच स्वर्ण और विश्व चैम्पियनशिप में 11 बार जीत दर्ज करने वाली इस तैराक ने कहा, अंततः हमारी योजना वहां एक स्थायी बालिका विद्यालय बनाने की है। फ्रैंकलिन ने लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार जीतने के बाद कहा था, मैं पिछले एक साल से धर्म की पढ़ाई कर रही हूं। यह काफी आकर्षक और आंखें खोलने वाला है। मुझे विभिन्न संस्कृतियों, लोगों और उनकी धार्मिक मान्यताओं के बारे में पढ़ना पसंद है। मिस्सी यूं तो धर्म से इसाई हैं पर उनकी दिलचस्पी हिंदू और इस्लाम धर्म में ज्यादा है।

खेल मंत्रालय ने मिशन 2024 में बॉक्सिंग को शामिल किया

खेल मंत्रालय ने भी ओलिंपिक मिशन 2024 और 2028 को लेकर टॉप-15 खेलों की लिस्ट तैयार की है। इसमें बॉक्सिंग को भी शामिल किया गया है। रिजिजू ने कहा कि भारत को स्पोर्टिंग पावर हाउस बनाने में बॉक्सर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक के बॉक्सिंग इवेंट में पुरूषों और महिलाओं को मिलाकर 13 वेट कैटेगरी हैं। इसमें भारत को मेडल की उम्मीद है। जून के पहले हफ्ते से खिलाड़ी दोबारा अभ्यास कर सकेंगे खेल मंत्री ने कहा कि बहुत जल्द ही भारतीय बॉक्सर अपना ट्रेनिंग प्रोग्राम दोबारा शुरू कर पाएंगे। इसके लिए कोशिशें जारी है। सबसे पहले वह एथलीट्स अपनी ट्रेनिंग शुरू कर पाएंगे, जो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। इसके अलावा उन खिलाड़ियों को भी ट्रेनिंग का मौका दिया जाएगा, जिन्हें ओलिंपिक क्वालिफाइंग इवेंट में हिस्सा लेना है।

9 मुक्केबाज टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके

भारत के 9 बॉक्सर टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। इसमें 5 पुरूष और 4 महिला मुक्केबाज हैं। ओलिंपिक में पुरुष मुक्केबाजों के लिए 8 वेट कैटेगरी है, जबकि महिला वर्ग में मुक्केबाज पांच अलग-अलग वेट कैटेगरी में जोर आजमाइश करेंगी।

राष्ट्रीय शिविर में अकेले ही अभ्यास करेंगी मैरीकॉम

अनुभवी महिला मुक्केबाज एम सी मैरीकॉम ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए वह राष्ट्रीय शिविर के दौरान किसी अन्य मुक्केबाज के साथ अभ्यास नहीं करेंगी। मैरीकॉम ने कहा कि जब हाथ से छूने से भी संक्रमित होने का खतरा बना हुआ है तब वह किसी अन्य के साथ अभ्यास को सही नहीं मानतीं। छह बार की इस विश्व विजेता ने कहा कि अभी वह किसी भी जोड़ीदार के साथ अभ्यास के पक्ष में नहीं है और तकरीबन छह माह तक ऐसे ही चलने की संभावनाएं हैं। मेरा मानना है कि ट्रेनिंग अकेले करनी होगी। इससे पहले खेल मंत्री किरण रिजिजू ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह और मैरीकॉम सहित अन्य मुक्केबाजों के साथ ऑनलाइन बातचीत के बाद रविवार को कहा कि जोड़ीदार बनाने की प्रक्रिया फिर से शुरू होने से पहले सभी जरूरी सावधानियां रखनी पड़ेंगी। उन्होंने कहा, इहमें तकनीकी अधिकारियों, हाई परफोरमेंस निदेशकों और स्वास्थ्यकर्मियों से चर्चा करनी होगी कि वे हमारे खिलाड़ियों के लिये जोड़ीदार के साथ अभ्यास शुरू करने से पहले सभी सुरक्षा उपायों का आंकलन करें।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक प्रणाली बेकार : माइक होल्डिंग

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक प्रणाली को बेकार बताया है। होल्डिंग ने कहा कि जब टीमों को लगेगा कि वे अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह नहीं बना पाएंगी तो कुछ टेस्ट मैच केवल औपचारिकता भर रह जाएंगे। वर्तमान अंक प्रणाली के अनुसार दो टेस्ट की श्रृंखला में प्रत्येक मैच 60 अंक का होता है हालांकि पांच मैचों की श्रृंखला में प्रत्येक टेस्ट में जीत पर 24 ही अंक मिलते हैं। इस तरह श्रृंखला में मैचों की संख्या चाहे जितनी भी हो कोई टीम अधिकतम 120 अंक ही हासिल कर सकती है। इसप्रकार अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में जगह बनाएंगी। टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल जून 2021 मे लार्ड्स में खेला जाएगा। टेस्ट मैचों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए आईसीसी ने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरू की थी। होल्डिंग ने कहा, यह अंक प्रणाली काम नहीं करेगी। सबसे पहले तो अंक प्रणाली का तरीका सही नहीं है। पांच टेस्ट मैच खेलने पर भी आपको उतने ही अंक नहीं मिल सकते जितने दो टेस्ट खेलने पर मिलते हैं। उन्होंने कहा, और दूसरी बात, एक चरण के बाद टीमों को पता चल जाएगा कि वे फाइनल में जगह नहीं बनाने वाली और इसलिए बाकी बचे मैच रोमांचक नहीं होंगे। ऐसे में सभी को पता होगा कि यह सिर्फ एक अन्य मैच है।

भारत दौरा रद्द हुआ तो ऑस्ट्रेलिया को मिलेगा अरबों रुपए का कर्ज

सिडनी ■ एजेंसी

कोरोना वायरस के कारण पहले ही कई सीरीज, टूर्नामेंट स्थगित हो गये हैं और अब भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी संकट के बादल छा गये हैं। पहले से ही वित्तीय संकट में फंसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इसको देखते हुए योजना बनानी शुरू कर दी है। इस साल ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप और भारतीय टीम की मेजबानी करेगा। वहीं अगर कोरोना के कारण यह भी रद्द हो जाता है तो बोर्ड गंभीर संकट में आ जाएगा। ऑस्ट्रेलिया बोर्ड आने वाली परेशानी का सामना करने के लिए पहले से ही तैयार रहना चाहता है इसलिए उसने अरबों रुपये का कर्ज पहले ही मंजूर करा लिया है।

भारत को इस साल के अंत में दिसंबर और जनवरी में चार टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है और भारत का दौरा न होने की स्थिति में ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड को बड़ा नुकसान होगा। ऐसे में उसने इस नुकसान से निपटने के लिए तैयारी कर ली है। साल के अंत में होने वाला भारत दौरा अगर रद्द होता है तो ऑस्ट्रेलिया को 3 अरब 78 करोड़ से भी अधिक का कर्ज मिलेगा। सीए ने भारत का दौरा रद्द होने की स्थिति में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सुरक्षा कवच के तौर पर 3 अरब 78 करोड़ का कर्जा मंजूर करवा लिया है। सभी हितधारकों को जानकारी दे दी गई है कि बोर्ड ने कॉमनवेल्थ बैंक के साथ कर्ज के लिए करार कर लिया है।

रोहित वनडे और टी-20 में कोहली से ज्यादा असरदार लेकिन रन बनाने के मामले में आगे रहेंगे विराटः गंभीर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का कहना है कि रोहित शर्मा वनडे और टी-20 में विराट कोहली से ज्यादा असरदार हैं। लेकिन रन बनाने के मामले में विराट उनसे आगे रहेंगे। गंभीर ने एक टीवी चैनल से यह बात कही। गंभीर ने कहा कि मुझे लगता है कि रोहित वनडे और टी-20 दोनों फॉर्मेट में अभी दुनिया के सबसे अच्छे बल्लेबाज हैं। लेकिन वह सर्वकालिक महान क्रिकेटर नहीं है। उन्होंने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाने के अलावा एक ही वर्ल्ड कप में पांच शतकीय पारी खेली हैं।

गंभीर ने आगे कहा कि विराट और रोहित की तुलना करना ठीक नहीं है। विराट भी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उनके आंकड़े यह साबित करने के लिए काफी हैं। रोहित की बात करते हुए उन्होंने कहा कि बतौर खिलाड़ी जब आप लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो लोगों की उम्मीदें बढ़ जाती हैं। ऐसे में जब आप किसी मैच में 100 से ज्यादा रन बनाते हैं, तो लोगों को लगता है कि आप दोहरा शतक ही बनाओगे। लेकिन आउट होने पर लोग कहते हैं कि आप दोहरा बनाने से चूक गए।

कोहली रन बनाने के मामले में रोहित से आगे

रोहित ने अब तक 224 वनडे मैचों में 49.27 की औसत से 9115 रन बनाए हैं। उनके नाम 29 शतक और 43 अर्धशतक हैं। टी-20 में रोहित ने 108 मैचों में 138.78 के स्ट्राइक रेट से 2273 रन बनाए हैं। वहीं, विराट कोहली ने 248 वनडे में 59.33 की औसत से 11867 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 93 से ज्यादा रहा है। कोहली वनडे में 43 शतक और 58 अर्धशतक लगा चुके हैं। टी-20 फॉर्मेट में भी वे 2794 रन बना चुके हैं। इसमें उनका स्ट्राइक रेट 138 से कुछ ज्यादा है।

कोहली की अपील- सोशल मीडिया पर ऐसी चीजें फॉरवर्ड न करें, जो देश हित में न हों

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक की एंटी सोशल कॉन्टेंट और फेक न्यूज के खिलाफ शुरू की गई मुहिम से जुड़ गए हैं। उन्होंने अपने ट्वीटर अकाउंट पर वीडियो पोस्ट कर लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर ऐसी चीजें फॉरवर्ड न करें, जो देश हित में न हों। कोहली ने कहा कि फेक न्यूज या वीडियो पूरे देश में नफरत फैला सकता है। ऐसे में लोगों को ऐसा करने से बचना चाहिए। विराट ने वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, "जब हम देश के लिए खेलते हैं, तब आप जोश के साथ हमें सपोर्ट करते हैं। लेकिन अब देश को आपकी, मेरी और हम सबकी जरूरत है कि हम इसके खिलाफ खेलें।

कोरोना असर — 20 अप्रैल से प्रतिबंधों में थोड़ी छूट मिलने के बाद ईंधन की मांग में तेजी आई है

अप्रैल माह में पेट्रोल की मांग 61 फीसदी घटी, डीजल की 57 फीसदी कम बिक्री, उद्योगों को छूट मिलने के बाद बढ़ी सेल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लॉकडाउन के बाद ठप पड़ी आर्थिक गतिविधियों के कारण ईंधन की बिक्री पर भी असर पड़ा है। प्रोविजनल डाटा के अनुसार अप्रैल महीने में पेट्रोल की बिक्री 61 फीसदी और डीजल की बिक्री 57 फीसदी घटी है। बिक्री की तुलना पिछले साल के अप्रैल महीने से की गई है। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के हवाले से रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि शुरूआत के आधे अप्रैल में पेट्रोल की 64 फीसदी और डीजल की 61 फीसदी मांग कम रही थी। सूत्रों के कहना है कि अप्रैल के पहले हाफ के मुकाबले दूसरे हाफ में पेट्रोल-डीजल की बिक्री बढ़ी है।

इसका कारण लॉकडाउन में कुछ आर्थिक गतिविधियों को छूट देना रहा है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने भी अप्रैल के दूसरे हाफ में पेट्रोल-डीजल की बिक्री बढ़ने के संकेत दिए हैं। उधर, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दावा किया कि अप्रैल महीने में पिछले साल के मुकाबले पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन की बिक्री में 70 फीसदी की कमी रही है। केंद्रीय मंत्री का कहना है कि कोरोना संक्रमित क्षेत्रों में लॉकडाउन में सोमवार से छूट मिलने के बाद ईंधन की मांग में बढ़ोतरी हुई है। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने 25 मार्च से देशव्यापी लॉकडाउन लगा रखा है। अब लॉकडाउन को बढ़ाकर 17 मई तक के लिए कर दिया है। हालांकि, अब सरकार ने लॉकडाउन के प्रतिबंधों में थोड़ी ढील देते हुए कुछ आर्थिक गतिविधियों को मंजूरी दी है। 4 मई से ग्रीन और ओरेंज जोन में ज्यादा छूट दी गई हैं।

हीरो के तीन कारखानों में उत्पादन फिर शुरू

भारत की प्रमुख दोपहिया वाहन कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के तीन कारखाने सोमवार को फिर खुल गए। बताया जा रहा है कि इन कारखानों में उत्पादन बुधवार से शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि उसने हरियाणा के गुरुग्राम एवं धारूहेड़ा और उत्तराखंड के हरिद्वार संयंत्र का परिचालन सोमवार से फिर शुरू कर दिया। साथ ही कंपनी के राजस्थान के नीमराणा स्थित ग्लोबल पार्ट्स सेंटर का परिचालन भी फिर आरंभ हो गया। देशव्यापी लॉकडाउन के बीच सरकार ने कारखानों को फिर शुरू करने के लिए कुछ राहत दी हैं। कंपनी ने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन से अनिवार्य अनुमति लेने के बाद कंपनी प्रबंधन ने यह निर्णय किया।

लॉकडाउन का उर्वरक पर नहीं दिखा असर, अप्रैल में बिक्री 45 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लॉकडाउन के कारण मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट और डीलर शोरूम बंद होने से जहां वाहन कंपनियों ने अप्रैल में घरेलू बाजार में कार और टू-व्हीलर्स की शून्य बिक्री दर्ज की, वहीं उसी महीने उर्वरक की बिक्री में साल-दर-साल आधार पर 45.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। उर्वरक विभाग के आंकड़ों में कहा गया है कि पूरे देश में न्यूट्रिएंट की बिक्री अप्रैल 2020 में 20.56 लाख टन रही। अप्रैल 2019 में यह बिक्री 14.17 लाख टन रही थी। अप्रैल 2018 में यह 12.96 लाख टन थी।

गौरतलब है कि उर्वरक की बिक्री सिर्फ अप्रैल में ही 45.1 फीसदी नहीं उछली है। नवंबर 2019 से अब तक हर महीने उर्वरक की खुदरा बिक्री में दहाई अंकों में उछाल दर्ज किया गया है। उर्वरक उद्योग के एक अधिकारी ने कहा कि मानसून लंबा रहने से रबी (शीत-बसंत) सीजन काफी अच्छा रहा। जमीन के अंदर काफी पानी भर गया। जलाशय लगभग पूरे भर गए। इसके कारण किसानों ने फसलों की बोआई का रकबा बढ़ा दिया। अब वे मिट्टी की नमी का उपयोग खरीफ सत्र में भी करना चाहते हैं। इसी का असर अप्रैल की बिक्री में दिख रहा है।

लॉकडाउन में राहत मिलने और रुपए में गिरावट की आशंका से बढ़ी बिक्री

लॉकडाउन में भी उर्वरकों की बिक्री प्रभावित नहीं होने का एक कारण यह है कि कृषि सामग्रियों को छूट मिली हुई थी। अधिकारी ने आगे कहा कि जैसे खाद्य पदार्थों में पैनिक बाइंग हुई, वैसे ही खरीफ सत्र में मांग बढ़ने की संभावना से उर्वरक में भी बिक्री बढ़ गई। हम बिक्री के लिए 2-2.5 महीने की क्रेडिट पर आपूर्ति किया करते हैं। लेकिन इस बार दुकानदारों ने कैश में ही खरीदारी कर ली। उन्हें डर था कि रुपए के कमजोर होने से आयातित उर्वरकों व इनपुट की कीमत आने वाले महीनों में बढ़ जाएगी।

सफलता की कहानी (नोवोल कोरोना वायरस)

युवाओं की टोली प्रतिदिन शहर के आवारा गौवंश को खिला रही है 4 क्विंटल हरा चारा

कोरोना की जंग कर्मवीरों के संग

ग्वालियर। कोरोना के संकटकाल के दौरान आमजनों की सहातार्थ अनेक समाजसेवी संस्थाएं एवं नागरिक गण आगे आकर सहयोग कर रहे हैं तथा आमजनों को भोजन, राशन व अन्य आवश्यक सामाग्री उपलब्ध करा रहे हैं। वहीं हमारे शहर में हजारों की संख्या में आवारा गौवंश भूखा प्यासा घूम रहा था, तब ऐसे गौवंश की चिंता हजीरा क्षेत्र के रहने वाले कुछ युवाओं ने की और 12 अप्रेल से प्रतिदिन दो पहिया वाहनों पर हरा चारा रखकर निकलते हैं और जहां भी गौवंश दिखा वहीं हरा चारा डाल देते हैं। इन युवाओं की देखादेखी अब शहर में अनेक समाजसेवी आवारा गौवंश के लिए चारा और पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। कोरोना संकट के दौरान हर कोई व्यक्ति एक दूसरे की मदद के लिए आगे आ रहा है तथा अपनी अपनी क्षमतानुसार एक दूसरे की सहायता कर रहा है, अब हमें पशु व पक्षियों के प्रति भी हम सभी को संवेदनशीलता दिखानी होगी तथा आवारा पशुओं एवं पक्षियों के लिए भी खाना एवं पानी की व्यवस्था के लिए आगे आना चाहिए। हजीरा एवं कोटेश्वर क्षेत्र में रहने वाले जितेन्द्र सिंह राठौड़ (जीतू), मनीष राय, अंकुश कोटिया, मोहित शर्मा, अखिलेश सेंगर, रानू वंशकार, सुरेश कुशवाह, रुपेश गुप्ता, दीपक माठे, निक्की ओझा की टोली ने भी कोरोना के संकटकाल में कुछ समाजसेवा करने का संकल्प लिया लेकिन ऐसा क्या कार्य करें कि सच्ची समाजसेवा हो। तभी युवाओं के दिमाग में आया कि आवारा गौवंश भूखे प्यासे सडकों पर घूम रहे हैं और कोई भी इनकी ओर ध्यान नहीं दे रहा है, तो युवाओं की टोली ने संकल्प लिया कि गौमाता की सेवा के लिए ही अभियान चलाया जाए और प्रतिदिन शहर में आवारा घूमने वाली गौमाता को हरे चारे का भोग लगाएंगे। बस वहीं से शुरु हुआ युवाओं का अभियान इतना बढता गया कि युवाओं द्वारा 12 अप्रेल से लगातार लगभग 4 क्विंटल हराचारा प्रतिदिन क्रय किया जाता है और सभी दोस्त मिलकर निकल जाते हैं, शहर की सडकों पर तथा जहां भी कोई गाय दिखती है उसे हरा चारा खिलाते हैं। युवाओं की इस पुनीत सोच एवं पावन उददेश्य का ही नतीजा है कि आज अनेक समाजसेवी गायों एवं आवारा पशुओं को चारा आदि खिलाने का कार्य कर रहे हैं।

समर्थन मूल्य पर 3 लाख 69 हजार मैट्रिक टन से अधिक गेहूँ की खरीदी

ग्वालियर। शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर ग्वालियर संभाग में सोमवार तक 3 लाख 69 हजार 946 मैट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। संभाग में गेहूँ उपार्जन हेतु 363 केन्द्र बनाए गए हैं, इन केन्द्रों पर 55 हजार 822 किसानों से 3 लाख 69 हजार 946 मैट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। जबकि 2 लाख 95 हजार 503 मैट्रिक टन गेहूँ का परिवहन किया गया है। किसानों को 705 करोड़ 30 लाख 8 हजार की राशि का भुगतान किया गया है। ग्वालियर संभाग के तहत ग्वालियर जिले में 72 उपार्जन केन्द्रों पर 8 हजार 389 कृषकों से 68 हजार 153 मैट्रिक टन, शिवपुरी में 70 केन्द्रों पर 13 हजार 260 किसानों से 68 हजार 701 मैट्रिक टन, गुना में 68 केन्द्रों पर 13 हजार 734 किसानों से 89 हजार 389 मैट्रिक टन, दतिया में 78 केन्द्रों पर 9 हजार 767 किसानों से 57 हजार मैट्रिक टन और अशोकनगर जिले में 75 केन्द्रों पर 10 हजार 672 किसानों से 86 हजार 702 मैट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की गई है। संभाग में समर्थन मूल्य पर चना एवं सरसों की खरीदी का कार्य भी शुरू हो गया है। संभाग में चना 67.14 मैट्रिक टन एवं सरसों 22.95 मैट्रिक टन की खरीदी की जा चुकी है।

आरआई रजनी गुर्जर कोरोना के विरोध में लड़ रही

शशिभूषण सिंह चौहान उप संपादक

भिण्ड। पुलिस रक्षित निरीक्षक श्रीमती रजनी गुर्जर (पुलिस आरआई) कोविड 19के खिलाफ जंग लड़ रही है,श्रीमती रजनी के पति अनिल गुर्जर भी पुलिस विभाग सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत रहते हुए कोरोना वोरियर्स के रुप में सेवा कर रहे हैं,सब इंस्पेक्टर अनिल गुर्जर कोटा से 120छात्रों को लाए,श्रीमती रजनी गुर्जर का 6 माह का एक बेटा है ।पति पत्नी दोनो ही पुलिस विभाग में कोरोना वोरियर्स के रुप में सेवारत हैं,श्रीमती रजनी गुर्जर और अनिल गुर्जर ने कहा है कि देशसेवा पहले है ।

आपकी परेशानियों को दूर करना मेरा कर्तव्य : डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से आज करीब 3600 गरीब परिवारों को न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीश सिंह सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री का वितरण किया। यह वितरण नगर निगम के वार्ड क्रमांक 60 के हुरावली, मेहरा कॉलोनी, सारिका नगर, सचिन तेन्दुलकर मार्ग वाल्मिक बस्ती, हरदौल गार्डन के आस-पास का संम्पूर्ण क्षेत्र, वार्ड 29 के अंतर्गत आने वाले ओहदपुर गॉव के पीछे सरकारी आवास, हरखेडा, फुटी कॉलोनी के पीछे की बस्ती के क्षेत्रों में किया गया। डॉ. सिकरवार ने खाद्य सामग्री वितरण करते हुये कहा कि आप सभी मेरे परिवार के सदस्य है और आपकी परेषानियों को दूर करना मेरा कर्तव्य है, इस संकट की घड़ी में आप लोगों को किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं आप लोगों को सरकार द्वारा जरूरत की हर वस्तु मुहैया कराई जायेगी। कोरोना वायरस से भारत में ही 46 हजार से अधिक लोग संक्रमित हो चुके है और 1500 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि कोविड-19 (कोरोना) वायरस के कारण जनता को काफी परेषानियों का सामना करना पड़ रहा है, निर्धन परिवारों के घर का चूल्हा उनकी रोजाना की जाने वाली मजदूरी से जलता है और वर्तमान में पूरे देश में चल रहे लॉकडाउन की वजह से हर तरह का कार्य ठप हो चुका है। अगर हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी देष को लॉकडाउन नही करते तो कोरोना महामारी हमारे देश को निगल जाती, आप सभी लोगों को टी.वी. और अखबार के माध्यम से यह पता चल रहा होगा कि दुनिया के षक्तिषाली देष भी इस महामारी के आगे घुटने टेक चुके है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय षिवराज सिंह चौहान जी द्वारा आप लोगों की सहायता के लिए हर संभव कोशिष की जा रही है। आज पूरी दुनिया कोरोना वायरस से जूझ रही है और दुनिया भर में कोरोना वायरस लाखों लोगों की जिंदगीओं को निगल चुका है। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुय लोगों को कोरोना वायरस से बचने के उपायों के बारे में बताया। खाद्य वितरण करते हुये डॉ. सिकरवार के साथ जसवंत सिंह, शिक्षा भदौरिया, ओमवती भास्कर, अरविन्द कटारे, अतुल बौहरे, रोषन पाल, पार्शद पुरूषोत्तम टमोटिया, नरेन्द्र यादव, पोप सिंह वर्मा, वीरसिंह चौहान, कल्ली यादव, मुलायम सिंह यादव, साकेत यादव, गुटाली सिंह, मुकेष दुबे अभिनाश दीक्षित, पवन जैन, प्रमोद जैन, न्यास सहसचिव अवधेष कौरव, विजय बहादुर त्यागी, आषीश साहू, सुरेन्द्र साहू, राजेन्द्र राठी, देवेष गुर्जर, कौषलेष कुषवाह, प्रदीप कुषवाह, गिरिष गुप्ता, गंगाराम प्रजापति, अंकित कठठ्ल, हिमांषु कीकन, हेमन्त षर्मा, भुवनेष सारस्वत, अभय कुमार सिंह, ऋषि गोले, रामकेष कौरव, गणेष सोनी, लोकेन्द्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

डॉ. सिकरवार ने वार्ड 60 में करीब 3600 परिवारों को राशन वितरण किया

6 व 7 मई को इन वार्डों की उचित मूल्य की दुकानों से वितरित होगा खाद्यान्न

ग्वालियर। शासन के निर्देशानुसार ग्वालियर नगर के 66 वार्डों में लॉकडाउन के दौरान चरणबद्ध रूप से शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। 6 व 7 मई 2020 को नगर के वार्ड क्रमांक-9, 10, 26, 27, 37, 41 तथा 63 में स्थित सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। अपर कलेक्टर टी एन सिंह ने बताया कि उक्त वार्डों की उचित मूल्य की दुकानों से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत ऐसे हितग्राहियों को खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है जो बीपीएल एवं पात्रता पर्ची वाले हितग्राही तथा सामान्यत-संबंधित शासकीय उचित मूल्य की दुकान से नियमित रूप से राशन प्राप्त करते हैं। उन्हें योजना के तहत खाद्यान्न वार्ड की सभी उचित मूल्य की दुकानों से वितरण किया जा रहा है। कोरोना वायरस (कोविड-19) के तहत खाद्यान्न का वितरण वार्ड की चिन्हित एक दुकान से वार्ड के समस्त ऐसे हितग्राहियों को वितरित किया जायेगा, जिनकी सूची शासन से प्राप्त हुई है। प्राप्त सूची संबंधित दुकान पर चस्पा कर प्रदर्शित की गई है तथा संबंधित वार्ड के पार्षद को प्रदाय की गई है। जिससे प्राप्त सूची के अनुरूप हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त हो सकें।

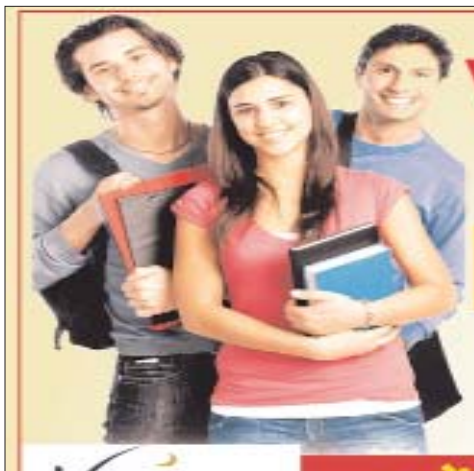

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478